16 जनवरी 2026
शुक्रवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

डुमरांव में डीएम का जनता दरबार : नल-जल, जलजमाव और दिव्यांग अधिकारों पर दिखी प्रशासनिक सक्रियता

2

आपकी आवाज

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

एक नजर

ईरान में फंसे भारतीय नागरिकों को निकालेगी सरकार, शुरू होगा अभियान

नई दिल्ली। ईरान में पिछले 15 दिनों से जारी हिंसा और विरोध प्रदर्शनों के चलते स्थिति बेहद ही भयावह हो गई है। भारत सरकार ईरान में फंसे नागरिकों को निकालने की तैयारी कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, भारत सरकार ने नागरिकों को वापस लाने के लिए शुक्रवार से अभियान शुरू कर सकती है। सूत्रों के अनुसार, विदेश मंत्रालय ईरान में मौजूदा अस्थिर स्थिति की बारीकी से निगरानी कर रहा है और उन भारतीय नागरिकों की घर वापसी की सुविधा प्रदान करने के लिए व्यापक तैयारियां कर रहा है जो भारत लौटने के इच्छुक हैं। आधिकारिक सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार, भारत सरकार ईरान में फंसे नागरिकों को वापस लाने के लिए शुक्रवार से एक विशेष अभियान की शुरूआत कर सकती है। विदेश मंत्रालय वर्तमान में उन नागरिकों का डेटा और विवरण जुटाने और व्यवस्था करने की प्रक्रिया में है जो वर्तमान परिस्थितियों के कारण भारत वापस आने की इच्छा रखते हैं।

भारतीय सीमा में घुसी अवैध पाकिस्तानी नाव जब्त

नई दिल्ली। भारतीय कोस्ट गार्ड ने अरब सागर में एक बड़ी कार्रवाई की है। अधिकारियों ने बताया कि कोस्ट गार्ड ने भारतीय समुद्री सीमा के अंदर मछली पकड़ने वाली एक पाकिस्तानी नाव को पकड़ा है। यह नाव अवैध तरीके से भारतीय समुद्री सीमा के अंदर घुस आई थी। नाव पर कुल नौ लोग सवार थे। कोस्ट गार्ड की टीम ने नाव को रोककर इन सभी क्रू मेंबर्स को पकड़ लिया है। मामले में गुजरात डिफेंस पीआरओ विंग कमांडर अभिषेक कुमार तिवारी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया यह कार्रवाई 14 जनवरी, 2026 की रात को हुई। गश्त कर रहे भारतीय जहाज ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा के पास इस नाव को देखा। जब कोस्ट गार्ड ने उन्हें चुनौती दी, तो नाव ने पाकिस्तान की तरफ भागने की कोशिश की। भारतीय जहाज ने पीछा करके उसे रोक लिया। इस पाकिस्तानी नाव का नाम 'अल-मदीना' है। अब कोस्ट गार्ड का जहाज इस नाव को पोरबंदर ले जा रहा है।

भारतीय सेना के जवान निस्वार्थ सेवा-राष्ट्र रक्षा के प्रतीक : पीएम

- चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी अटूट संकल्प के साथ देश की सुरक्षा करती है सेना
- भारतीय सेना देश की एकता, संप्रभुता और अखंडता की रक्षा में सदैव अडिग रही

एजेंसी। नई दिल्ली

सेना दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को भारतीय सेना की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना निस्वार्थ सेवा का प्रतीक है और सबसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी अटूट संकल्प के साथ देश की सुरक्षा करती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्र उनकी वीरता और दृढ़ प्रतिबद्धता को नमन करता है। उन्होंने कहा कि हमारे सैनिक निस्वार्थ सेवा के प्रतीक हैं, जो सबसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी दृढ़ संकल्प के साथ राष्ट्र की रक्षा करते हैं। कर्तव्य के प्रति उनकी भावना पूरे देश में विश्वास और कृतज्ञता की भावना जगाती है। मोदी ने कहा कि देश उन लोगों को गहरे सम्मान के साथ याद करता है जिन्होंने कर्तव्य निभाते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। इस अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना देश की एकता, संप्रभुता और अखंडता की रक्षा में सदैव अडिग रही है। हमारे सैनिक सीमाओं की सुरक्षा के साथ-साथ आपदा, संकट और मानवीय सहायता के समय भी अहम भूमिका निभाते हैं। आपका अटूट राष्ट्र प्रथम का भाव हर भारतीय को निरंतर प्रेरित करता है।

शौर्य की गूंज हमारे इतिहास के पन्नों में दर्ज

गृह मंत्री अमित शाह ने सेना दिवस के अवसर पर भारतीय सेना के जवानों और उनके परिवारों को हार्दिक शुभकामनाएं दी। शाह ने कहा कि उनके शौर्य की गूंज हमारे इतिहास के पन्नों में दर्ज है, जो हर पीढ़ी के भारतीयों के भीतर देशभक्ति की प्रचंड ज्वाला प्रज्वलित करती है। कर्तव्य पथ पर सर्वस्व अर्पित करने वाले उन वीर हृदयों को मेरा कोटि-कोटि नमन।

भारतीय सेना ने वैश्विक सम्मान अर्जित किया

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सेना दिवस के गौरवपूर्ण अवसर पर भारतीय सेना के वीर जवानों और उनके परिवारों को हार्दिक शुभकामनाएं। राष्ट्र उनके अदम्य साहस, सर्वोच्च बलिदान और भारत की संप्रभुता व अखंडता की रक्षा के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता को नमन करता है। उन्होंने कहा कि सीमाओं पर सतर्कता और संकट की घड़ी में दृढ़ संकल्प के साथ खड़ी भारतीय सेना ने अपने पेशेवर कौशल, अनुशासन और मानवीय सेवा के माध्यम से वैश्विक सम्मान अर्जित किया है। हमारी सरकार एक आधुनिक, आत्मनिर्भर और भविष्य के लिए तैयार सेना के निर्माण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। कृतज्ञ राष्ट्र गर्व और सम्मान के साथ अपने सैनिकों के साथ एकजुट खड़ा है। वहीं उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि सेना दिवस के अवसर पर मैं भारतीय सेना के वीर अधिकारियों, जवानों और पूर्व सैनिकों को नमन करता हूं। देश की सुरक्षा में उनका अटूट साहस, अनुशासन और सर्वोच्च बलिदान हर नागरिक को प्रेरित करता है। हम भारत की एकता और अखंडता के प्रति उनकी निस्वार्थ सेवा और अडिग प्रतिबद्धता का सम्मान करते हैं। इस पावन अवसर पर हम कर्तव्य पथ पर अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीर शहीदों को गहरी कृतज्ञता के साथ स्मरण करते हैं।

पहाड़ों पर बर्फ, दिल्ली-यूपी और बिहार में कड़ाके की ठंड

एजेंसी। नई दिल्ली

उत्तर भारत के पहाड़ी राज्यों में इस सर्दी बर्फबारी न के बराबर रही है। दिसंबर 2025 में पहाड़ों पर सामान्य से बहुत कम बारिश और बर्फ गिरी, जिससे इलाके सूखे बने रहे। जनवरी 2026 के पहले दो हफ्तों में भी हालात नहीं सुधरे, लेकिन अब मौसम में बदलाव की उम्मीद दिखाई दे रही है। उत्तर भारत के पहाड़ी इलाकों में इस बार सर्दियों के दौरान बर्फबारी बेहद कम रही। स्काईमेट वेदर के अनुसार, पूरे पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में दिसंबर 2025 के दौरान बारिश और बर्फबारी सामान्य से 90 फीसदी से ज्यादा कम रही। उत्तराखंड में हालात सबसे खराब रहे, जहां बर्फबारी लगभग नहीं हुई। जनवरी 2026 के शुरूआती हफ्तों में भी पहाड़ों पर मौसम शुष्क बना रहा। लंबे समय से बर्फ न गिरने के कारण पहाड़ी इलाकों में ठंड तो है, लेकिन सर्दियों जैसा मौसम पूरी तरह नजर नहीं आ रहा था। अब मौसम को लेकर राहत की खबर सामने आई है, 16 जनवरी से पहाड़ी राज्यों में मौसम बदलने की संभावना है और सूखे पहाड़ों पर फिर से बर्फ लौट सकती है। मौसम एजेंसियों के मुताबिक, 16 जनवरी 2026 को एक वेस्टर्न डिस्टर्बेंस पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र तक पहुंच सकता है। इसके असर से 12 हजार फीट से अधिक ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी होने की संभावना है।

यूरोपीय नेता लगातार राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर बातचीत में देरी करने का आरोप लगाते रहे हैं

ट्रंप के शांति वार्ता प्रस्ताव पर मॉस्को सहमत

- यूक्रेनी शहरों पर लगातार हमले हो रहे हैं, रूस की सेना यूक्रेन के भीतर और आगे बढ़ने की कोशिश कर रही

एजेंसी। मॉस्को

रूस ने यूक्रेन युद्ध को खत्म करने के लिए चल रही शांति वार्ता को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रुख का समर्थन किया है। क्रेमलिन ने गुरुवार को कहा कि वह ट्रंप के इस आकलन से सहमत है कि यूक्रेन शांति समझौते की राह में बाधा बन रहा है। इस पर यूरोप की ओर से तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। पोलैंड के राष्ट्रपति ने इसके लिए रूस को जिम्मेदार ठहराया है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा, हां, हम इससे सहमत हो सकते हैं... वाकई ऐसा ही है। उनकी यह टिप्पणी ट्रंप के उस बयान के बाद आई है, जिसमें उन्होंने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की को अमेरिकी नेतृत्व वाली शांति वार्ता में अड़चन बताया था। रूस का यह रुख यूरोपीय नेताओं से अलग है। यूरोपीय नेता लगातार राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर बातचीत में देरी करने का आरोप लगाते रहे हैं। उनका कहना है कि एक ओर रूस बातचीत टाल रहा है, तो दूसरी ओर उसकी सेना यूक्रेन के भीतर और आगे बढ़ने की कोशिश कर रही है और यूक्रेनी शहरों पर लगातार हमले हो रहे हैं। रॉयटर्स को दिए एक इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा, मुझे लगता है कि पुतिन समझौता करने के लिए तैयार हैं, लेकिन यूक्रेन इसके लिए कम तैयार दिखता है। उन्होंने जेलेंस्की को समझौते में बाधा डालने वाला करार दिया। ट्रंप के इस बयान पर यूरोप की ओर से तीखी प्रतिक्रिया भी सामने आई है। पोलैंड के प्रधानमंत्री टस्क ने एक्स पर लिखा, अमेरिका द्वारा तैयार की गई शांति योजना को रूस ने खारिज किया है, जेलेंस्की ने नहीं। इस बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी गुरुवार को संकेत दिए कि किसी भी संभावित शांति समझौते में रूस सुरक्षा गारंटी की मांग करेगा। क्रेमलिन में विदेशी राजदूतों से मुलाकात के दौरान पुतिन ने कहा, सुरक्षा सार्वभौमिक, समान और अविभाज्य होनी चाहिए। किसी की सुरक्षा दूसरों की कीमत पर सुनिश्चित नहीं की जा सकती। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि ऐसा नहीं हुआ तो रूस अपने तय लक्ष्यों को हासिल करता रहेगा। हालांकि अमेरिकी प्रशासन का इस मुद्दे पर रुख ट्रंप के विपरीत है। अमेरिका ने सोमवार को रूस पर आरोप लगाया था कि वह युद्ध को खतरनाक और समझ से बाहर तरीके से बढ़ा रहा है, जबकि ट्रंप प्रशासन शांति वार्ता को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। वॉशिंगटन स्थित थिंक टैंक इंस्टीट्यूट फॉर द स्टडी ऑफ वॉर ने भी कहा था कि क्रेमलिन महीनों से जानबूझकर शांति प्रक्रिया में देरी कर रहा है, ताकि युद्ध को लंबा खींचकर अपने सैन्य लक्ष्य हासिल किए जा सकें।

अमेरिका का प्रतिनिधित्व ट्रंप नहीं, ये अधिकारी करेंगे

मैक्रों ने कहा कि सहयोगी देश शिखर सम्मेलन में यूक्रेन की रक्षा करने और न्यायपूर्ण और स्थायी शांति सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाएंगे। मैक्रों के कार्यालय ने कहा कि बैठक में बड़ी संख्या में अधिकारी निजी तौर पर मौजूद होंगे, जिनमें 27 राष्ट्राध्यक्षों और सरकार प्रमुखों सहित 35 प्रतिभागी शामिल हैं। अमेरिका का प्रतिनिधित्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर करेंगे। मैक्रों के कार्यालय ने कहा कि अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व शुरू में विदेश मंत्री मार्को रुबियो करने वाले थे, जिन्होंने वेनेजुएला में सैन्य हस्तक्षेप से संबंधित कारणों से अपनी योजना बदल दी।

सीकर में कार और ट्रक की भिड़ंत, 6 महिलाओं की मौत

एजेंसी। सीकर

फतेहपुर शेखावाटी में भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार की मां-बेटी व दो पुत्रवधुओं व देवरानी सहित छह महिलाओं की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा जयपुर-बीकानेर हाईवे पर हरसावा गांव के पास हुआ, जहां अंतिम संस्कार से लौट रहे परिवार की कार अनियंत्रित होकर सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गई। हादसे में रघुनाथपुरा निवासी मोहिनी देवी (80), उनकी बेटी इंद्रा (60) दो पुत्र वधू तुलसी (45) पत्नी ललित और चंदा देवी (55) पत्नी सुरेंद्र, देवरानी संतोष (45), जेठ के बेटे की बहू आशा (60) पत्नी मुरारी की मौत हो गई। वहीं मोहिनी की पोती सोनू पुत्री सुरेंद्र, पुत्रवधु बरखा पत्नी ओमप्रकाश व चालक मांडेला निवासी वसीम को गंभीर रूप घायल होने पर सीकर रेफर किया गया। हादसा इतना भयंकर था कि कार के परखच्चे उड़ गए। मृतकों के शव भी बड़ी मुश्किल से निकाले जा सके। जानकारी के अनुसार मृतका मोहिनी देवी की ननद की लक्ष्मणगढ़ में मौत होने पर परिवार दाह संस्कार में शामिल होने गया था। वापस लौटते समय हादसा घर से करीब पांच किमी पहले हुआ। सदर थानाधिकारी सुरेन्द्र देगड़ा ने बताया कि दाह संस्कार में शामिल होने के करीब दो दर्जन लोग चार गाड़ियों में गए थे। वापसी में एक गाड़ी में परिवार की आठ महिलाएं बैठी थी। हरसावा गांव के आगे मोड़ पर ओवरटेक करते समय गाड़ी सामने से आ रहे ट्रक से जा टकराई। हादसा इतना जबरदस्त था कि गाड़ी के परखच्चे उड़ गए। कई महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई।

मुंबई में ठाकरे, तो पुणे में पवार, भाजपा के आगे नहीं चला किसी का जादू

एजेंसी। मुंबई

महाराष्ट्र में 29 नगर निकायों के चुनाव के लिए गुरुवार को मतदान हुआ। सबकी नजर मुंबई पर टिकी हैं, जहां देश की सबसे अमीर नगर निकाय बृहन्मुंबई महानगरपालिका यानी बीएमसी पर शासन को लेकर भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति और ठाकरे भाइयों के गठबंधन के बीच दिलचस्प मुकाबला है। हालांकि मतदान प्रक्रिया पूरी होते ही मुंबई, पुणे को लेकर एग्जिट पोल सामने आ गया है, जिसने सियासी हलकों में हलचल मचा दी है। अलग-अलग एग्जिट पोल के आंकड़े लगभग एक जैसी तस्वीर पेश कर रहे हैं, जिसमें भारतीय जनता पार्टी और एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना को मुंबई में स्पष्ट बहुमत मिलने का अनुमान जताया गया है। वहीं, उद्धव ठाकरे और उनके चचेरे भाई राज ठाकरे के लिए एग्जिट पोल के नतीजे बड़ा झटका देने वाले है। दूसरी ओर पुणे में भी भाजपा अकेले ही सब पर भारी दिख रही है। पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रतिद्वंद्वी गुटों (शरद पवार और अजित पवार) ने गठबंधन कर सबको चौंका दिया। लेकिन चाचा-भतीजे के एक होने पर भी भाजपा को एकजुट एनसीपी मात देने में नाकामयाब होती दिख रही है। पुणे में भाजपा अकेले चुनाव लड़ रही है। पुणे महानगरपालिका चुनाव को लेकर सामने आए जनमत एग्जिट पोल ने साफ संकेत दिए हैं कि शहर में एक बार फिर भाजपा की सत्ता बन सकती है।

मकर संक्रांति पर जीवंत हुई तुलसी आश्रम की परंपरा, चूड़ा-दही भोग से जुड़ी है ऐतिहासिक कथा

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

मकर संक्रांति के पावन अवसर पर बक्सर जिले के ऐतिहासिक तुलसी आश्रम में एक बार फिर सदियों पुरानी परंपरा जीवंत हो उठी। ग्रामीणों द्वारा गोस्वामी तुलसीदास को चूड़ा-दही का भोग अर्पित किया गया, जिससे यह स्थल आस्था, इतिहास और लोककथाओं का संगम बन गया। मान्यता है कि रघुनाथपुर स्थित इसी स्थान पर गोस्वामी तुलसीदास ने मकर संक्रांति के दिन चूड़ा-दही का प्रसाद ग्रहण किया था, जो उन्हें अत्यंत प्रिय लगा था।

किंवदंती के अनुसार, गांव वालों ने मुआर धान से बने चूड़ा और दही से गोस्वामी तुलसीदास का आतिथ्य किया था। ग्रामीणों की सरलता, श्रद्धा और भक्ति से अभिभूत होकर तुलसीदास जी ने यहीं प्रवास करने का निर्णय लिया और गांववासियों को रामकथा सुनानी शुरू की। दक्षिण अरण्य जैसे शांत वातावरण और प्रभु श्रीराम के छोटे मंदिर ने इस स्थान को उनकी तपोस्थली बना दिया।

इतिहास भी इस लोकमान्यता की पुष्टि करता है। बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित शाहाबाद गजेटियर (1966) में गोस्वामी तुलसीदास के रघुनाथपुर प्रवास का उल्लेख मिलता है। कहा जाता है कि पहले इस गांव का नाम बेला और पटवत था, लेकिन रामभक्ति से प्रभावित होकर तुलसीदास जी ने इसका नाम रघुनाथपुर रखा। इसी प्रवास काल में उन्होंने रामचरितमानस के उत्तरकांड के कुछ अंशों की रचना भी की थी।

आज तुलसी आश्रम के नाम से प्रसिद्ध इस स्थल पर गोस्वामी तुलसीदास के नाम से 4 एकड़ 63 डिसमिल भूमि दर्ज है। समय के साथ यह स्थान धार्मिक ही नहीं, ऐतिहासिक धरोहर के रूप में भी अपनी पहचान बना चुका है। स्थानीय लोगों और बुद्धिजीवियों द्वारा तुलसी आश्रम को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की मांग तेज हो गई है। इस संबंध में प्रस्ताव बिहार सरकार को भी भेजा गया है, ताकि इस पवित्र धरोहर को राष्ट्रीय पहचान मिल सके।

एक नजर

घनी आबादी के बीच सरेआम कूड़ा डंप, एनजीटी की खुलेआम अवहेलना

डुमरांव। डुमरांव नगर परिषद क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था की हकीकत एक बार फिर सवालों के घेरे में है। पुरान भोजपुर की घनी आबादी के ठीक बीचों-बीच, नगर परिषद के स्वागत द्वार के समीप ही सफाई एजेंसी द्वारा खुलेआम कूड़ा डंप किया जा रहा है। यह न सिर्फ आमजन के स्वास्थ्य के लिए खतरा है, बल्कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के दिशा-निर्देशों की खुली अवहेलना भी है। यह आरोप डुमरांव नगर परिषद के स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर अजय राय ने लगाए हैं।

अजय राय का कहना है कि नगर परिषद हर महीने सफाई व्यवस्था के नाम पर करीब 92 लाख रुपये खर्च कर रही है, इसके बावजूद डोर-टू-डोर कूड़ा उठाव के बाद उसके समुचित निस्तारण की कोई ठोस व्यवस्था अब तक नहीं की जा सकी है। नतीजतन शहर से निकलने वाला कचरा सीमावर्ती और आबादी वाले इलाकों में खुलेआम फेंका जा रहा है, जिससे प्रदूषण तेजी से बढ़ रहा है।

उन्होंने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि एनजीटी की गाइडलाइन के अनुसार कूड़े का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण अनिवार्य है, लेकिन डुमरांव नगर परिषद स्वयं इन नियमों को ताक पर रखकर तालाबों, नदियों, स्कूलों, मंदिरों और प्रमुख सड़कों के किनारे कचरा फेंकने को बढ़ावा दे रही है। इससे न केवल पर्यावरण को नुकसान हो रहा है, बल्कि आम नागरिकों को दुर्गंध, मच्छर और संक्रामक बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है।

अजय राय ने यह भी कहा कि पुरान भोजपुर क्षेत्र शहर का प्रवेश द्वार माना जाता है। नगर परिषद का स्वागत द्वार वहीं स्थित है, लेकिन उसी स्थान पर कूड़े का ढेर शहर की छवि को धूमिल कर रहा है। बाहर से आने वाले लोग जब डुमरांव में प्रवेश करते हैं तो उन्हें सबसे पहले गंदगी का अंबार दिखता है, जो नगर परिषद की कार्यशैली पर बड़ा सवाल खड़ा करता है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार शिकायत के बावजूद स्थिति जस की तस बनी हुई है। बारिश के दिनों में कूड़े से निकला गंदा पानी सड़कों पर फैल जाता है, जिससे फिसलन और बदबू बढ़ जाती है। बच्चों और बुजुर्गों का घर से निकलना मुश्किल हो जाता है, वहीं मवेशी भी कचरे में मुंह मारते नजर आते हैं।

स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर ने मांग की है कि नगर परिषद तत्काल कूड़ा निस्तारण के लिए वैज्ञानिक और स्थायी समाधान अपनाए। साथ ही एनजीटी गाइडलाइन के उल्लंघन के लिए जिम्मेदार अधिकारियों और एजेंसी पर कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द सुधार नहीं हुआ तो वे इस मामले को उच्च अधिकारियों और संबंधित पर्यावरणीय मंचों तक ले जाएंगे।

डुमरांव में डीएम का जनता दरबार : नल-जल, जलजमाव और दिव्यांग अधिकारों पर दिखी प्रशासनिक सक्रियता

- एक सप्ताह की डेडलाइन, अधिकारियों से मौके पर जवाब-तलब, जनता की समस्याओं पर त्वरित फैसले

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव प्रखंड सह अंचल कार्यालय में गुरुवार को उस समय प्रशासनिक हलचल तेज हो गई, जब जिलाधिकारी साहिला पहली बार औचक दौरे पर पहुंचीं। बीडीओ संदीप कुमार पाण्डेय द्वारा बुके देकर स्वागत के बाद डीएम सीधे प्रखंड सभागार पहुंचीं, जहां जनता दरबार का आयोजन किया गया। यह जनता दरबार केवल औपचारिकता नहीं रहा, बल्कि जनसमस्याओं पर प्रशासन की सख्ती और जवाबदेही का मंच बन गया।

20 से अधिक मामलों की सीधी सुनवाई

जनता दरबार में विभिन्न विभागों से जुड़े 20 से अधिक आवेदन आए। हर आवेदन पर डीएम ने स्वयं सुनवाई की और संबंधित अधिकारियों को मौके पर निर्देश दिए। सभी विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे, जिससे समस्याओं पर त्वरित निर्णय संभव हो सका।

नल-जल योजना पर सख्त रुख

कसिया पंचायत के मुखिया भरत तिवारी ने पंचायत में बंद पड़ी नल-जल योजना का मुद्दा जोरदार ढंग से उठाया। उन्होंने कहा कि योजना होने के बावजूद ग्रामीणों को पानी नहीं मिल रहा है। इस पर डीएम ने पीएचईडी विभाग की जेई को फटकार लगाते हुए स्पष्ट निर्देश दिया कि एक सप्ताह के भीतर मुखिया से समन्वय बनाकर नल-जल योजना को दुरुस्त किया जाए और इसकी रिपोर्ट जिला मुख्यालय को सौंपी जाए। डीएम के इस निर्देश के बाद संबंधित विभाग में हड़कंप देखा गया।

सालों पुराने जलजमाव पर जवाब-तलब

मठीला पंचायत के किसानों ने वर्षों से चले आ रहे जलजमाव की समस्या को उठाया। आवेदनकर्ता ने बताया कि जलजमाव के कारण सैकड़ों बीघा कृषि भूमि अनुपयोगी हो चुकी है। डीएम ने इस मुद्दे पर जनता दरबार में ही एसडीएम और बीडीओ से जवाब मांगा। एसडीएम राकेश कुमार ने जानकारी दी कि लघु सिंचाई विभाग द्वारा डीपीआर तैयार कर ली गई है और जल्द ही योजना धरातल पर उतरेगी, जिससे किसानों को राहत मिलेगी और वे फिर से खेती कर सकेंगे।

दिव्यांग आवास का मामलारू प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश

मुंगाव पंचायत के दिव्यांग विश्वजीत पासवान ने आवास न मिलने की शिकायत की। डीएम ने बीडीओ को निर्देश दिया कि सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी कर पात्रता के अनुसार उन्हें आवास योजना का लाभ दिया जाए। डीएम ने स्पष्ट किया कि दिव्यांगों के मामलों में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

दिव्यांग सुविधाओं पर प्रशासन का भरोसा

दिव्यांग संघ के जिलाध्यक्ष अगस्त उपाध्याय ने मांग रखी कि दिव्यांग प्रमाण पत्र जिला मुख्यालय के साथ-साथ अनुमंडल मुख्यालय में भी बनाया जाए, ताकि सातों प्रखंडों के दिव्यांगों को सुविधा मिल सके। साथ ही रेलवे कंसेशन प्रमाण पत्र बनवाने में हो रही कठिनाइयों का भी मुद्दा उठाया गया। डीएम ने आश्वासन दिया कि इन मांगों पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी और प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा।

जनता दरबार बना प्रशासनिक सख्ती का संदेश

डीएम साहिला का यह जनता दरबार केवल शिकायत सुनने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि समय-सीमा तय कर कार्रवाई सुनिश्चित करने का उदाहरण बना। अधिकारियों को स्पष्ट संदेश दिया गया कि योजनाओं में लापरवाही और जनता की समस्याओं की अनदेखी अब नहीं चलेगी। जनता दरबार के बाद आम लोगों में यह भरोसा दिखा कि समस्याएं अब फाइलों में नहीं, बल्कि धरातल पर उसका समाधान होगा।

प्रतापसागर के पास ट्रक की टक्कर से युवक की गई जान, सड़क सुरक्षा पर फिर उठे सवाल

केटी न्यूज/डुमरांव

नया भोजपुर थाना क्षेत्र के प्रतापसागर के समीप गुरुवार को एक बार फिर सड़क पर भारी वाहनों की मनमानी जानलेवा साबित हुई। गलत लेन में दौड़ते ट्रक ने बाइक सवार युवक की जिंदगी छीन ली, जिससे इलाके में आक्रोश और शोक का माहौल है। यह हादसा सिर्फ एक दुर्घटना नहीं, बल्कि लापरवाह ड्राइविंग और कमजोर निगरानी व्यवस्था का नतीजा माना जा रहा है।

जानकारी के अनुसार चौगाईं निवासी जितेंद्र तुरहा (पिताझ फुटानी तुरहा) किसी आवश्यक कार्य से बाइक से बक्सर जा रहे थे। प्रतापसागर के पास पहुंचते ही विपरीत दिशा से आ रहा एक तेज रफ्तार ट्रक अचानक गलत लेन में घुस गया और सामने से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन लेकर फरार हो गया, जबकि सड़क पर अफरा-तफरी मच गई।

घटना की खबर मिलते ही आसपास के लोग मौके पर जुट गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग पर भारी वाहनों की आवाजाही के बावजूद न तो ट्रैफिक नियंत्रण है और न ही लेन अनुशासन का पालन कराया जाता है। नतीजतन आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। जितेंद्र की मौत की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। लोग उसे परिवार का जिम्मेदार और मेहनती युवक बता रहे हैं।

समाजसेवी कृष्णा शर्मा ने तत्परता दिखाते हुए पुलिस को सूचना दी। नया भोजपुर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची, शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और दुर्घटनाग्रस्त बाइक को जब्त किया। पुलिस ने ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक जांच में ट्रक चालक की लापरवाही सामने आ रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद आगे की कार्रवाई होगी।

इस हादसे ने एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं—क्या सड़क सुरक्षा केवल कागजों तक सीमित है? कब लगेगी गलत लेन और तेज रफ्तार पर प्रभावी लगाम, ताकि किसी और घर का चिराग यूं न बुझे।

मकर संक्रांति पर रेड क्रॉस ने दिखाई मानवता, जरूरतमंदों के बीच बांटे कंबल

केटी न्यूज/डुमरांव

मकर संक्रांति के पावन अवसर पर डुमरांव में मानवता और करुणा की मिसाल देखने को मिली, जब भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी की जिला उप-शाखा द्वारा जरूरतमंदों के लिए कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नगर स्थित एक सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में सैकड़ों गरीब एवं असहाय लोगों को ठंड से बचाव के लिए कंबल प्रदान किए गए। आयोजन का मुख्य उद्देश्य पर्व के माध्यम से पीड़ित मानवता की सेवा का संदेश समाज तक पहुंचाना रहा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर के प्रसिद्ध चिकित्सक एवं रेड क्रॉस सोसाइटी के वरीय सदस्य डॉ. आनंद पाण्डेय उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि फिजिशियन डॉ. शैलेश श्रीवास्तव रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता उप-शाखा के सचिव मोहन गुप्ता ने की तथा संचालन आजीवन सदस्य राजीव रंजन सिंह ने किया। अपने संबोधन में डॉ. आनंद पाण्डेय ने कहा कि मानव सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है। समाज के सक्षम लोगों को चाहिए कि वे अपने आसपास रहने वाले जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आएं। उन्होंने रेड क्रॉस सोसाइटी की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विश्व स्तर पर आपदा और संकट की हर घड़ी में रेड क्रॉस ने निस्वार्थ सेवा के माध्यम से मानवता की रक्षा की है। स्थानीय स्तर पर भी उप-शाखा द्वारा किए जा रहे कार्य इस परंपरा को मजबूती प्रदान कर रहे हैं। कार्यक्रम के अंत में लाभार्थियों और उपस्थित लोगों को तिलकुट एवं अन्य मिष्ठान खिलाकर मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर उप-शाखा के कोषाध्यक्ष प्रमोद कुमार, पूर्व कोषाध्यक्ष अमरनाथ केशरी, संजय दयाल, अजय गुप्ता, रमेश रौनियार, सुरेश कुमार, संतोष शर्मा, संतोष कुमार, इंजीनियर दीपक कुमार, रौशन गुप्ता, शिक्षक रविशंकर सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। यह आयोजन न केवल जरूरतमंदों के लिए राहत का माध्यम बना, बल्कि समाज में सेवा, सहयोग और संवेदनशीलता की भावना को भी मजबूत करता नजर आया।

हर सोमवार और शुक्रवार को लगेगा जनता दरबार, डीएम करेंगे सीधा संवाद

- सबका सम्मान-जीवन आसान के तहत बक्सर में आमजनों की समस्याओं के त्वरित समाधान का निर्देश

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार सरकार के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम सात निश्चय-3 के सातवें निश्चय ह्यसबका सम्मान-जीवन आसानह्न को धरातल पर उतारने की दिशा में बक्सर जिला प्रशासन ने एक अहम पहल की है। मुख्य सचिव, बिहार सरकार, मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग के आलोक में जिला प्रशासन ने आमजनों की रोजमर्रा की समस्याओं के त्वरित और प्रभावी समाधान के लिए नियमित जनता दरबार आयोजित करने का निर्णय लिया है।

इस निर्णय के तहत अब प्रत्येक सप्ताह दो कार्य दिवस सोमवार और शुक्रवार को अपराह्न तीन बजे से समाहरणालय, बक्सर में जनता दरबार आयोजित किया जाएगा। जनता दरबार में जिलाधिकारी स्वयं आम लोगों से मिलकर उनकी समस्याएं सुनेंगे और संबंधित विभागों को त्वरित निष्पादन के निर्देश देंगे। प्रशासन का उद्देश्य है कि आम नागरिकों को कार्यालयों के चक्कर न काटने पड़ें और उनकी शिकायतों का समाधान एक ही मंच से हो सके।

जनता दरबार में प्राप्त होने वाले आवेदनों के समुचित निष्पादन के लिए कुमार नचिकेता, सहायक आपदा प्रबंधन पदाधिकारी, बक्सर को प्रभारी पदाधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्त किया गया है। उन्हें निर्देशित किया गया है कि जनता दरबार में प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को विधिवत पंजीबद्ध कराया जाए तथा शिकायतों के समाधान के लिए समयबद्ध और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

वहीं, इस पूरी प्रक्रिया के पर्यवेक्षण की जिम्मेदारी आलोक नारायण वत्स, वरीय उपसमाहर्त्ता, बक्सर को सौंपी गई है। उनकी अनुपस्थिति में रवि बहादुर, वरीय उपसमाहर्त्ता, बक्सर उक्त कार्यों के पर्यवेक्षण हेतु वरीय पदाधिकारी के रूप में दायित्व निभाएंगे। इससे यह सुनिश्चित किया जाएगा कि जनता दरबार केवल औपचारिकता न रहकर वास्तविक समाधान का माध्यम बने।

इसके अलावा, अपरिहार्य कारणों से यदि निर्धारित दिवस या समय पर जिलाधिकारी की अनुपस्थिति होती है, तो आमजनों से मिलने के लिए उप विकास आयुक्त, बक्सर को अधिकृत किया गया है। इससे जनता दरबार की निरंतरता बनी रहेगी और लोगों को निराश नहीं होना पड़ेगा।

जिला प्रशासन का मानना है कि इस पहल से न सिर्फ आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान होगा, बल्कि प्रशासन और जनता के बीच विश्वास भी मजबूत होगा। ह्यसबका सम्मानह्जीवन आसानह्न के मूल उद्देश्य को साकार करने की दिशा में यह कदम बक्सर जिले के लिए एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक प्रयास माना जा रहा है।

सामाजिक पुनर्वास कोष से 22 पीड़ितों को मिलेगी राहत, प्रत्येक को 10 हजार की सहायता

- **उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में कमिटी बैठक, सभी आवेदनों को मिली स्वीकृति**

केटी न्यूज/बक्सर

सामाजिक न्याय की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए बिहार सरकार के सामाजिक पुनर्वास कोष की राशि वितरण को लेकर गुरूवार को समाहरणालय परिसर स्थित कार्यालय कक्ष में जिला स्तरीय कमिटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उप विकास आयुक्त निहारिका छवि ने की। बैठक में सामाजिक पुनर्वास कोष के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों पर गहन विचार-विमर्श के बाद पीड़ितों को आर्थिक सहायता प्रदान करने का निर्णय लिया गया।

22 आवेदनों पर सहमति, सभी को 10-10 हजार

बैठक में जानकारी दी गई कि सामाजिक पुनर्वास कोष के तहत कुल 22 आवेदन प्राप्त हुए थे। समिति ने सभी आवेदनों की पात्रता और परिस्थितियों की समीक्षा करते हुए सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि प्रत्येक लाभार्थी को 10 हजार की सहायता राशि प्रदान की जाएगी। यह राशि पीड़ित महिलाओं और उनके छोटे बच्चों के तात्कालिक पुनर्वास, उपचार एवं आवश्यक जरूरतों को पूरा करने में सहायक होगी।

आईसीडीएस ने रखी विस्तृत रिपोर्ट

बैठक के दौरान जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, आईसीडीएस बक्सर ने सभी आवेदनों पर विस्तृत जानकारी समिति के समक्ष प्रस्तुत की। उन्होंने प्रत्येक मामले की पृष्ठभूमि, पीड़ितों की स्थिति तथा प्रस्तावित सहायता के औचित्य को स्पष्ट किया, जिसके बाद समिति ने निर्णय को अंतिम रूप दिया।

प्रशासन और विभागों की संयुक्त भागीदारी

बैठक में पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय), सिविल सर्जन बक्सर, जिला अभियोजन पदाधिकारी, जिला परियोजना प्रबंधक, जिला मिशन समन्वयक सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों ने योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और पीड़ितों को समय पर सहायता पहुंचाने पर बल दिया।

क्या है सामाजिक पुनर्वास कोष

बिहार सरकार का सामाजिक पुनर्वास कोष घरेलू हिंसा, मानव-तस्करी, डायन प्रथा तथा अन्य सामाजिक या आपराधिक हिंसा से पीड़ित महिलाओं और उनके 5 वर्ष तक के बच्चों के पुनर्वास के लिए संचालित एक महत्वपूर्ण योजना है। इस योजना के तहत आर्थिक सहायता के साथ-साथ चिकित्सकीय एवं शैक्षणिक सहयोग भी प्रदान किया जाता है। योजना का संचालन महिला विकास निगम एवं समाज कल्याण विभाग द्वारा किया जाता है।

योजना का उद्देश्य

इस कोष का मुख्य उद्देश्य हिंसा और उत्पीड़न की शिकार महिलाओं को सुरक्षित, स्वस्थ और आत्मनिर्भर जीवन की ओर अग्रसर करना है। आर्थिक मदद के माध्यम से उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना, बच्चों की देखभाल और शिक्षा सुनिश्चित करना तथा पीड़ित परिवारों को सामाजिक संबल देना इसका प्रमुख लक्ष्य है।

कौन ले सकता है लाभ

इस योजना का लाभ घरेलू हिंसा, मानव-तस्करी, डायन प्रथा या अन्य सामाजिक एवं आपराधिक हिंसा से प्रभावित महिलाएं तथा उनके 5 वर्ष तक के बच्चे ले सकते हैं।

आवेदन कहां करें

सामाजिक पुनर्वास कोष का लाभ लेने के इच्छुक पीड़ित वन स्टॉप सेंटर, बक्सर से संपर्क कर सकते हैं। जिला प्रशासन ने पात्र पीड़ितों से आगे आने और योजना का लाभ उठाने की अपील की है।

एक नजर

डीएम साहिला ने एकलव्य आवासीय प्रशिक्षण केंद्र का किया निरीक्षण, सुविधाओं की गुणवत्ता पर दिया जोर

डुमरांव। जिलाधिकारी साहिला ने बिहार राज्य एकलव्य आवासीय (बालक) प्रशिक्षण केंद्र सह प्लस टू सीपीएस उच्च विद्यालय, डुमरांव का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का गहन जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने केंद्र में आवासित खिलाड़ियों से सीधा संवाद स्थापित कर उनका परिचय प्राप्त किया और विभाग द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की विस्तृत जानकारी ली। भ्रमण के क्रम में जिलाधिकारी ने खिलाड़ियों से उनके प्रशिक्षण, आवासन, भोजन, स्वास्थ्य एवं अन्य मूलभूत आवश्यकताओं के बारे में सवाल पूछे। खिलाड़ियों ने अपनी समस्याओं और जरूरतों से जिलाधिकारी को अवगत कराया। इस पर डीएम साहिला ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि खिलाड़ियों को हर हाल में बेहतर, सुरक्षित और अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराया जाए, ताकि वे बिना किसी परेशानी के अपने खेल कौशल को निखार सकें। जिलाधिकारी ने शारीरिक शिक्षा पदाधिकारी सह उपाधीक्षक को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि प्रशिक्षण केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं की नियमित समीक्षा की जाए। हॉस्टल परिसर और रसोई कक्ष का विशेष निरीक्षण करते हुए उन्होंने साफ-सफाई की स्थिति पर संतोष व्यक्त नहीं किया और इसे और बेहतर बनाने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता, पौष्टिक भोजन और सुरक्षित आवासन खिलाड़ियों के शारीरिक व मानसिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। डीएम ने यह भी निर्देश दिया कि पेयजल, शौचालय, बिजली, खेल सामग्री तथा चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता में किसी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए। समय-समय पर निरीक्षण कर खामियों को दूर किया जाए। उन्होंने कहा कि एकलव्य आवासीय प्रशिक्षण केंद्र का उद्देश्य ग्रामीण और प्रतिभावान खिलाड़ियों को बेहतर अवसर प्रदान करना है, इसलिए इसमें लापरवाही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी।निरीक्षण के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों एवं केंद्र के कर्मियों को आपसी समन्वय से कार्य करते हुए खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास के लिए सतत प्रयास करने का निर्देश दिया गया।

डीएम के औचक निरीक्षण से हिली डुमरांव अस्पताल की व्यवस्था, बंद शौचालय से लेकर लेट-लतीफी तक उजागर हुई लापरवाही

डुमरांव। डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल में गुरुवार को जिलाधिकारी साहिला के औचक निरीक्षण ने स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी। मरीजों की सेवा के लिए बने सरकारी अस्पताल में बुनियादी सुविधाओं की बदहाली ने प्रशासन को भी कठोर रुख अपनाने पर मजबूर कर दिया। निरीक्षण के दौरान साफ पेयजल, स्वच्छता और प्रकाश व्यवस्था जैसी मूलभूत सुविधाएं बदहाल स्थिति में पाई गईं। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि अस्पताल के भू-तल पर स्थित शौचालय बंद पाए गए। ऐसे समय में, जब प्रतिदिन सैकड़ों मरीज, गर्भवती महिलाएं और उनके परिजन अस्पताल पहुंचते हैं, शौचालय का बंद होना प्रशासनिक उदासीनता को दर्शाता है। डीएम ने इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए उपाधीक्षक को बीएमएसआईसीएल से समन्वय स्थापित कर तत्काल शौचालय चालू कराने और एजेंसी के माध्यम से नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। निरीक्षण में अस्पताल परिसर में पर्याप्त रोशनी का भी अभाव पाया गया। अंधेरे गलियारों और वार्डों को लेकर डीएम ने नाराजगी जताते हुए तुरंत प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त करने का आदेश दिया, ताकि मरीजों और कर्मचारियों को असुविधा न हो। बायोमैट्रिक उपस्थिति जांच में यह भी सामने आया कि कई चिकित्सक और कर्मचारी समय से अस्पताल नहीं पहुंच रहे हैं। इस पर जिलाधिकारी ने संबंधित कर्मियों से कारण पृच्छा करने के निर्देश दिए। वहीं निरीक्षण के समय स्वास्थ्य प्रबंधक का देर से पहुंचना और सफाई व प्रबंधन से जुड़े सवालों पर संतोषजनक जवाब न दे पाना उनकी कार्यशैली पर सवाल खड़े करता है। डीएम ने उनके खिलाफ भी कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान उजागर हुई खामियों ने एक बार फिर सरकारी अस्पतालों की जमीनी हकीकत को सामने ला दिया है।

राजपुर थाना परिसर में आयोजित जनता दरबार में जमीन विवाद, फसल क्षति और अवैध शराब के मुद्दे छाए, एसपी ने दिए त्वरित निर्देश

जनता दरबार में एसपी का सख्त संदेश, गांवों में विवाद खत्म करें, कानून को हाथ में लेने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई

केटी न्यूज/राजपुर

राजपुर थाना परिसर में पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य के नेतृत्व में आयोजित जनता दरबार प्रशासन और आम जनता के बीच सीधे संवाद का मंच बना। एसपी के पहुंचते ही पुलिस पदाधिकारियों द्वारा उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया गया। इसके बाद जनता दरबार की कार्यवाही शुरू हुई, जिसमें ग्रामीणों ने बेझिझक अपनी समस्याएं रखीं।

दरबार को संबोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सरकार की मंशा है कि गांव और समाज में आपसी विवाद खत्म हों और शांति व्यवस्था मजबूत हो। उन्होंने कहा कि पुलिस केवल कार्रवाई की संस्था नहीं है, बल्कि समस्याओं के समाधान में भी जनता की सहभागी है। यदि किसी को कोई परेशानी है तो वह सीधे थाना स्तर के पदाधिकारियों से संपर्क करें, जरूरत पड़े तो पुलिस अधीक्षक कार्यालय तक भी अपनी बात पहुंचा सकते हैं। एसपी ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में अपराध पर काफी हद तक नियंत्रण हुआ है, लेकिन अब भी सामाजिक सहयोग की जरूरत है। उन्होंने माना कि प्रचार के अभाव में अपेक्षाकृत कम लोग जनता दरबार तक पहुंच सके, फिर भी जो फरियादी आए, उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना गया।

जनता दरबार में सबसे अधिक जमीन विवाद के मामले सामने आए। तियरा निवासी भीम चौबे ने वर्षों पुराने पारिवारिक विवाद का जिक्र करते हुए कहा कि उनके दादा ने पाटीदार के हिस्से की जमीन छोड़कर अपना घर बनाया था, इसके बावजूद बार-बार जबरन जमीन पर कब्जा किया जा रहा है। उन्होंने न्याय न मिलने की पीड़ा भी साझा की। इस पर पुलिस अधीक्षक ने संबंधित पदाधिकारियों को कागजात की जांच कर विधिसम्मत कार्रवाई का निर्देश दिया और आपसी सुलह की दिशा में भी प्रयास करने को कहा।

संगरांव से पहुंचे दिवाकर पांडेय ने खेती से जुड़े विवाद को उठाया। उन्होंने बताया कि डिहरी निवासी किसान उमाकांत राय और झूलन राय का खेत लेकर वे खेती कर रहे हैं, जिसमें गेहूं की फसल बोई गई है। आरोप लगाया गया कि विवेकानंद पांडेय और सोनू साह द्वारा खेत में जबरन पानी भर दिया गया, जिससे फसल को नुकसान पहुंचा है। इस पर एसपी ने त्वरित संज्ञान लेते हुए दोनों पक्षों को शनिवार को थाना में उपस्थित होकर अपनी बात रखने के लिए नोटिस जारी करने का आदेश दिया।

ईटवा निवासी मनोज यादव ने बताया कि उनके जमीन विवाद में अंचलाधिकारी द्वारा फैसला आ चुका है और अब तक जमीन पर कब्जा नहीं हुआ है। इस पर पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि प्रशासनिक आदेश का पालन सुनिश्चित कराया जाएगा और यदि कोई जबरन कब्जा करता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

जनता दरबार में मौजूद जनप्रतिनिधियों से भी सामूहिक समस्याओं पर सुझाव मांगे गए। जिला परिषद सदस्य पूजा कुमारी ने गांवों में चोरी-छिपे शराब की आपूर्ति का मुद्दा उठाते हुए कहा कि यह सामाजिक शांति के लिए बड़ा खतरा है। वहीं शंभूनाथ मिश्रा ने भी कई गांवों में अवैध शराब की बिक्री की शिकायत की। इस पर एसपी ने पुलिस टीम को निगरानी बढ़ाने और ठोस कार्रवाई के निर्देश दिए।

जनता दरबार में एसडीपीओ गौरव पांडेय, इंस्पेक्टर इंद्रजीत सिंह, थानाध्यक्ष निवास कुमार, एसआई शिव कुमार मंडल, सुभाष सिंह, मनीषा कुमारी, प्रमोद कुमार सहित अन्य पुलिसकर्मी और स्थानीय लोग मौजूद रहे। कुल मिलाकर जनता दरबार में प्रशासन की सक्रियता और समस्याओं के त्वरित समाधान का भरोसा साफ नजर आया।

मायावती के जन्मदिन पर सेवा का संदेश, गरीब बस्ती में बांटी गईं किताबें व मिठाइयां

केटी न्यूज/चौसा

बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री बहन मायावती का 70वां जन्मदिन चौसा नगर पंचायत क्षेत्र में सादगी, सेवा और सामाजिक सरोकार के भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर किसी भव्य आयोजन या शक्ति प्रदर्शन के बजाय समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों को केंद्र में रखते हुए कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसने आयोजन को खास बना दिया। नगर पंचायत के स्टेशन रोड स्थित झुग्गी-झोपड़ी बस्ती में पूर्व जिला परिषद सदस्य डॉ. मनोज कुमार यादव एवं नगर पंचायत चेयरमैन किरण देवी के नेतृत्व में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजन के दौरान गरीब और वंचित परिवारों के बच्चों के बीच शैक्षणिक पुस्तकें वितरित की गईं तथा उन्हें मिठाइयां खिलाकर जन्मदिन की खुशियां साझा की गईं। बच्चों के हाथों में किताबें और चेहरे पर मुस्कान पूरे कार्यक्रम की सार्थकता को बयां कर रही थीं। कार्यक्रम का मूल उद्देश्य शिक्षा के महत्व को रेखांकित करना और गरीब तबके के बच्चों को पढ़ाई के प्रति प्रोत्साहित करना रहा। आयोजकों ने कहा कि शिक्षा ही वह मजबूत आधार है, जिससे समाज के कमजोर वर्ग अपने अधिकारों को पहचान सकते हैं और आगे बढ़ सकते हैं। पुस्तक वितरण के दौरान बच्चों में खासा उत्साह देखा गया, वहीं अभिभावकों ने भी इस पहल की सराहना की। इस मौके पर डॉ. मनोज कुमार यादव ने बहन मायावती के जीवन संघर्ष और उनके सामाजिक योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने दलित, पिछड़े और वंचित समाज को राजनीतिक पहचान देने के साथ-साथ आत्मसम्मान का भाव भी जगाया। उन्होंने बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के विचार शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो को व्यवहार में उतारते हुए बहुजन समाज को नई दिशा दी है।

मकर संक्रांति पर भाजपा कार्यालय में आयोजित हुआ प्रेस वार्ता, सदर विधायक आनंद मिश्र ने दी शुभकामनाएं

केटी न्यूज/बक्सर

मकर संक्रांति के पावन अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के पार्टी कार्यालय, बक्सर में गुरूवार को पत्रकार साथियों के साथ आत्मीय भेंट एवं संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण, सकारात्मक और उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ, जहां जनसेवा, सामाजिक समरसता और क्षेत्रीय विकास से जुड़े विषयों पर खुलकर विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सदर विधायक आनंद मिश्र ने मकर संक्रांति के पावन पर्व पर उपस्थित पत्रकार साथियों, पार्टी कार्यकताओं एवं क्षेत्रवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि मकर संक्रांति

केवल एक पर्व नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, आपसी सहयोग और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है। यह पर्व हमें समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचाने और जनसेवा के मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

सदर विधायक ने कहा कि मीडिया लोकतंत्र का मजबूत स्तंभ है और पत्रकारों की भूमिका समाज को दिशा देने में अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने पत्रकारों के साथ संवाद को जनहित से जुड़े मुद्दों को समझने और उनके समाधान की दिशा में सार्थक पहल बताया। उन्होंने आश्वस्त किया कि क्षेत्र के विकास, युवाओं के सशक्तिकरण और सामाजिक सौहार्द के लिए वे सदैव प्रतिबद्ध रहेंगे।

इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष ओम प्रकाश भुवन, युवा जिला अध्यक्ष अविनाश पांडेय एवं विनोद राय भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष रूपेश दुबे, महामंत्री लक्ष्मण शर्मा, जिलाउपाध्यक्ष निर्भय राय, रमेश गुप्ता, अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष हमीद खान, पुनीत सिंह, वेंकटेश्वर मिश्रा, बिपुल राय, उमा शंकर राय तथा दीपक पांडेय सहित संगठन के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान मकर संक्रांति का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। पत्रकार साथियों के साथ हुए संवाद में संगठन की मजबूती, सामाजिक समरसता, जनकल्याणकारी योजनाओं और क्षेत्र के सर्वांगीण विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा हुई। पत्रकारों ने भी जनहित से जुड़े प्रश्नों और सुझावों को रखा, जिस पर नेताओं ने गंभीरता से विचार करने का आश्वासन दिया। समापन अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि मकर संक्रांति का यह पावन पर्व समाज में एकता, सहयोग और नई ऊर्जा का संचार करता है। यह पर्व हमें व्यक्तिगत और सामूहिक स्तर पर राष्ट्र निर्माण के संकल्प को और अधिक मजबूत करने की प्रेरणा देता है। अंत में सभी क्षेत्रवासियों को मकर संक्रांति की हार्दिक शुभकामनाएं दी गईं।

चौसा के शहीद सुनील सिंह को मिला सेना मेडल, आपरेशन सिंदूर में दिखाई थी वीरता

- **पत्नी ने ग्रहण किया सम्मान, जयपुर के सेना दिवस समारोह में देश ने किया नमन**
- **अंतिम सांस तक निभाया फर्ज, ड्रोन हमले के सामने अडिग रहे बक्सर के हवलदार, साथियों की जान बचाते हुए पाए थे वीरगति**

केटी न्यूज/बक्सर

सीमा पर दुश्मन की नापाक साजिशों के सामने चट्टान बनकर खड़े रहने वाले बक्सर जिले के लाल हवलदार सुनील कुमार सिंह ने अपने अदम्य साहस से भारतीय सेना की परंपरा को एक बार फिर गौरवान्वित किया। आपरेशन सिंदूर के दौरान ड्रोन हमले में साथियों की सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए उन्होंने जो वीरता दिखाई, उसके लिए भारतीय सेना ने उन्हें मरणोपरांत ह्यसेना मेडल (वीरता)ह्न से सम्मानित किया है। यह सम्मान राजस्थान की राजधानी जयपुर में आयोजित 78वें सेना दिवस समारोह में प्रदान किया गया।

ड्रोन खतरे को अकेले किया निष्क्रिय करने का प्रयास

सेना से प्राप्त जानकारी के अनुसार, हवलदार सुनील कुमार सिंह 237 फील्ड वर्कशॉप कंपनी में तैनात थे। 9 मई 2025 की रात पाकिस्तान की ओर से वर्कशॉप क्षेत्र को निशाना बनाते हुए भारी गोलाबारी की गई। इसी दौरान उन्होंने अपनी सेंट्री पोस्ट की दिशा में छह संदिग्ध ड्रोन को आगे बढ़ते देखा। हालात की गंभीरता को भांपते हुए और बिना किसी सुरक्षा कवच के वे खुले क्षेत्र में आए तथा राइफल से ड्रोन पर फायरिंग शुरू कर दी।

घायल होने के बाद भी नहीं छोड़ा मोर्चा

ड्रोन को रोकने की इसी कोशिश के दौरान शत्रु की ओर से दागा गया एक गोला उनकी पोस्ट के पास फटा, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बावजूद उन्होंने संयम और साहस का परिचय देते हुए अंतिम क्षणों तक ड्रोन की गतिविधियों की सटीक जानकारी अपने साथियों तक पहुंचाई। उनकी सतर्कता के कारण सेना ने समय रहते ड्रोन को निष्क्रिय किया और एक बड़े नुकसान को टाल दिया। इस अद्वितीय साहस ने कई जवानों की जान बचाई।

सम्मान ग्रहण करते समय भावुक हुआ सभागार

सेना दिवस समारोह में जब सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने आतंकवाद विरोधी अभियानों और ह्यऑपरेशन सिंदूरह्न में असाधारण योगदान देने वाले वीरों को नमन किया, तो शहीद सुनील सिंह का नाम पुकारे जाने पर पूरा सभागार भावुक हो उठा। मंच पर पहुंचकर पत्नी सुजाता देवी ने जब सम्मान ग्रहण किया, तो वह क्षण हर आंख को नम कर गया। यह दृश्य उस त्याग की गवाही था, जिसे एक सैनिक और उसका परिवार देश के लिए देता है।

देशसेवा की विरासत

शहीद सुनील सिंह के परिवार में देशसेवा की मजबूत परंपरा रही है। उनके छोटे भाई चंदन कुमार भी भारतीय सेना में कार्यरत हैं। बक्सर की धरती ने एक बार फिर यह साबित किया कि यहां के सपूत देश की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने से कभी पीछे नहीं हटते।

प्रेरणा बनकर रहेगा बलिदान

हवलदार सुनील कुमार सिंह की वीरगाथा आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी रहेगी। उनका साहस, कर्तव्यनिष्ठा और बलिदान यह संदेश देता है कि देश की सुरक्षा के लिए भारतीय सैनिक हर परिस्थिति में अडिग रहते हैं, चाहे कीमत कितनी ही बड़ी क्यों न हो।

नावानगर बियाडा क्षेत्र में पेप्सी कंपनी के मजदूर ने की आत्महत्या, पुलिस जांच में जुटी

केटी न्यूज/नावानगर

स्थानीय प्रखंड स्थित बियाडा औद्योगिक क्षेत्र में स्थित वरुण बेवरेज (पेप्सी कंपनी) में कार्यरत एक मजदूर ने अपने किराए के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान सारण जिले के निवासी 25 वर्षीय डब्लू गिरी के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही बासुदेवा थाना की पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नावानगर प्रखंड कार्यालय के पास अमीरपुर गांव निवासी राजेश्वरी सिंह के मकान में मृतक किराए पर रह रहा था। गुरुवार की देर शाम जब मकान मालिक घर पहुंचे तो उन्होंने देखा कि मजदूर के कमरे का दरवाजा अंदर से बंद है। किसी कार्यवश दरवाजा खुलवाने का प्रयास किया गया, लेकिन काफी देर तक कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके बाद खिड़की से झांककर देखने पर मजदूर कमरे के अंदर छत के सहारे फंदे से लटका हुआ मिला। घटना की सूचना तत्काल बासुदेवा थाना पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंचकर दरवाजा खुलवाया और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पोस्टमार्टम के उपरांत मृतक के परिजनों को बुलाकर शव सौंप दिया गया। थानाध्यक्ष अनिल कुमार पासवान ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला प्रेम-प्रसंग से जुड़ा प्रतीत हो रहा है, हालांकि सभी पहलुओं की बारीकी से जांच की जा रही है। पुलिस ने कमरे की तलाशी के दौरान मिले साक्ष्यों के आधार पर जांच प्रक्रिया आगे बढ़ाई है। फिलहाल मृतक के परिजनों की ओर से कोई लिखित आवेदन नहीं दिया गया है।

हर नागरिक को मिले भरोसेमंद और निष्पक्ष न्याय : डिप्टी सीएम

एजेंसी। पटना

उपमुख्यमंत्री सह राजस्व व भूमि सुधार मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि भूमि सुधार जनकल्याण संवाद के दौरान नागरिकों से मिलकर महसूस हुआ कि राजस्व न्यायालयों में आम नागरिक न्याय मिलने की उम्मीद से आते हैं। बुधवार को जारी अपने बयान में उन्होंने कहा कि यदि समान प्रकृति के मामलों में अलग-अलग स्तरों पर भिन्न निर्णय होते हैं, तो यह न्याय की मूल भावना के विपरीत है। सरकार का उद्देश्य राजस्व न्यायालय प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से पारदर्शी, समान और कानूनसम्मत न्याय सुनिश्चित करना है। इसी दिशा में महाधिवक्ता के विधिक परामर्श को मार्गदर्शक बनाकर निर्णयों में एकरूपता लाने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि हर नागरिक को भरोसेमंद और निष्पक्ष न्याय मिल सके। विदित हो कि उपमुख्यमंत्री सह राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री विजय कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में अब तक पटना, लखीसराय, मुजफ्फरपुर, पूर्णिया, सहरसा एवं भागलपुर में आयोजित किए गए भूमि सुधार जन कल्याण संवाद में राजस्व न्यायालय प्रबंधन प्रणाली (रेवेन्यू कोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम) के अंतर्गत पारित हो रहे आदेशों की भी विस्तृत समीक्षा की गई। इन समीक्षा में यह तथ्य सामने आया कि प्रमंडलीय आयुक्त, समाहर्ता, अपर समाहर्ता, भूमि सुधार उप समाहर्ता व अंचल अधिकारी स्तर के न्यायालयों द्वारा पारित समरूप मामलों के निर्णयों में कई बार असमानता देखी जा रही है, जिससे आमजनों को समान प्रकृति के मामलों में भिन्न-भिन्न परिणाम प्राप्त हो रहे हैं। इस स्थिति को गंभीर मानते हुए उपमुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिया कि राजस्व न्यायालयों में निर्णय प्रक्रिया को एकरूप, पारदर्शी और विधि-सम्मत बनाया जाए। ताकि आम नागरिकों को ह्लएक ही प्रकार के मामले में एक जैसा न्यायह्व सुनिश्चित हो सके। इसी उद्देश्य से राजस्व व भूमि सुधार विभाग के प्रधान सचिव सी.के. अनिल द्वारा 13 जनवरी 2026 को सभी समाहताओं को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। राजस्व विभाग ने निर्देश जारी कर कहा है कि प्रशासनिक एवं अर्ध-न्यायिक निर्णय लेते समय विद्वान महाधिवक्ता के विधिक परामर्श को मार्गदर्शक सिद्धांत के रूप में अपनाया जाए। इसमें महाधिवक्ता का परामर्श बाध्यकारी नहीं है, फिर भी वह विधि-सम्मत, मान्य और न्यायिक कसौटी पर खरा उतरने वाला होता है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि विभिन्न स्तरों के राजस्व न्यायालयों के स्तर से पारित आदेशों में अनावश्यक भिन्नता न हो। निर्देशों में यह भी रेखांकित किया गया है कि किसी निर्णय को जिस प्रक्रिया से लिया गया हो, उसी प्रक्रिया से उसमें संशोधन या समाप्ति की जानी चाहिए। विधि विभाग द्वारा गठित अधिवक्ताओं के पैनल को किसी अन्य प्राधिकरण द्वारा एकतरफा भंग करना विधि-सम्मत नहीं है। ऐसे निर्णय अधिकार क्षेत्र से बाहर माने जाएंगे और उन्हें मनमाना तथा अस्थिर समझा जायेगा। प्रधान सचिव की तरफ से जारी पत्र में स्पष्ट किया गया है कि सभी अर्ध-न्यायिक आदेश प्राकृतिक न्याय, संविधान के अनुच्छेद 14 और अनुपातिकता के सिद्धांतों के अनुरूप होने चाहिए।

रामविलास पासवान को मुख्यमंत्री ने दी श्रद्धांजलि

चिराग और चेतन की दही-चूड़ा पार्टी में पहुंचे सीएम नीतीश समेत कई दिग्गज

एजेंसी। पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मकर संक्रांति के अवसर पर गर्दनीबाग स्थित 12/20 मंत्री एन्क्लेव में जदयू विधायक चेतन आनंद के आवास पर आयोजित दही-चूड़ा भोज कार्यक्रम में शामिल हुए। इस मौके पर चेतन आनंद ने मुख्यमंत्री को प्रतीक चिन्ह भेंट कर उनका अभिनंदन किया। कार्यक्रम में जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, सांसद लवली आनंद, विधायक श्याम रजक, विधायक रत्नेश सादा, पूर्व सांसद आनंद मोहन सहित पार्टी के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता और गणमान्य लोग उपस्थित रहे। आयोजन में मकर संक्रांति की पारंपरिक खुशहाली और सामाजिक

सहभागिता का माहौल देखने को मिला। इसी दिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 1-व्हीलर रोड, शहीद पीर अली खां मार्ग स्थित लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रदेश कार्यालय में आयोजित दही-चूड़ा भोज कार्यक्रम में भी शामिल हुए। यहां लोजपा (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पूर्व केंद्रीय मंत्री दिवंगत रामविलास पासवान के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण मंत्री संजय कुमार सिंह, सांसद अरुण भारती, विधायक मुरारी प्रसाद गौतम, जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा, विधान पार्षद संजय कुमार सिंह उर्फ गांधीजी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता और गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। तेज प्रताप यादव 14 जनवरी को 26 एम स्ट्रैंड रोड स्थित अपने आवास पर महाभोज का आयोजन किया था। खास बात यह रहा कि उन्होंने इस भोज में सत्ता पक्ष और विपक्ष के सभी नेताओं को आमंत्रित किया था। तेज प्रताप यादव के इस भोज में उनके पिता लालू प्रसाद यादव, राज्यपाल आरिफ मोहम्मम खान, डिप्टी सीएम विजय सिन्हा, मंत्री अशोक चौधरी उनके दामाद सायन कुणाल, तेज प्रताप यादव के मामा सुभाष यादव समेत कई विधायक और वरिष्ठ नेता शामिल हुए। यह पार्टी सुर्खियों में रही थी।

गणतंत्र दिवस समारोह तैयारियों को लेकर एसडीएम ने की बैठक

केटी न्यूज\रोहतास

नवनिर्मित अनुमंडलीय कार्यालय में गुरुवार को आगामी गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर अहम बैठक हुई। बैठक में गणतंत्र दिवस को गरिमापूर्ण, शांतिपूर्ण और उत्साहपूर्ण तरीके से मनाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई और जिम्मेदारियों का बंटवारा किया गया। बैठक में एसडीएम प्रभात कुमार ने स्पष्ट निर्देश दिया कि 26 जनवरी को प्रोटोकॉल के अनुसार सभी चिन्हित सरकारी व गैर-सरकारी कार्यालयों, संस्थानों और प्रमुख स्थलों पर निर्धारित समय पर अनिवार्य रूप से ध्वजारोहण किया जाएगा। झंडोतोलन में किसी भी प्रकार की लापरवाही को गंभीरता से लिया जाएगा। अनुमंडल कार्यालय, अनुमंडलीय अस्पताल, प्रखंड कार्यालय,नगर परिषद कार्यालय, थाना, पुस्तकालय, महाविद्यालय, चैंबर ऑफ कॉमर्स, व्यापार संघ सहित अन्य स्थलों को ध्वजारोहण के लिए चिन्हित किया गया है।

अनुमंडल मुख्यालय में प्रभातफेरी और झांकी कार्यक्रम का भी आयोजन होगा। एसडीएम ने कार्यक्रम के दौरान बच्चों की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि इंटर कॉलेज के मैदान में प्रशासन बनाम नागरिक इलेवन के बीच फैंसी क्रिकेट मैच का आयोजन किया जाएगा। मैच के विजेता, उपविजेता टीमों के साथ-साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों और सहयोगियों को सम्मानित किया जाएगा। बैठक में एसडीएम प्रभात कुमार, नये एसडीपीओ सिंधु शेखर सिंह,भूमि सुधार उपसमाहर्ता बिक्रमगंज संतोष कुमार, बिक्रमगंज थानाध्यक्ष ललन कुमार, विभिन्न विभागों के अधिकारी,विद्यालय संचालक और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे ।

आशुतोष राणा के साथ पटना पहुँची फिल्म वन टू चा चा चा की स्टारकास्ट, दर्शकों से फिल्म को सफल बनाने की अपील

एजेंसी। पटना

अपने अनोखे टाइटल और दमदार स्टारकास्ट के कारण पहले ही चर्चा में रही फिल्म वन टू चा चा चा के प्रमोशन के लिए फिल्म की पूरी टीम शुक्रवार को पटना पहुँची। इस मौके पर शहर के प्रतिष्ठित होटल ताज में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया, जिसमें फिल्म के मुख्य कलाकार आशुतोष राणा, नायरा एम बनर्जी, अभिमन्यु सिंह, मुकेश तिवारी, हर्ष मायर, ललित प्रभाकर, अनंत वी जोशी और अशोक पाठक मौजूद रहे। प्रेस वार्ता के दौरान सभी कलाकारों ने दर्शकों से फिल्म को प्यार देने और इसे सफल बनाने की अपील की। फिल्म 16 जनवरी 2026 से सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है और दर्शकों के लिए हंसी, मस्ती और पागलपन से भरा एक संपूर्ण मनोरंजन पैकेज लेकर आई है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान फिल्म की टीम ने कहानी के हल्के-फुल्के अंदाज, फैमिली एंटरटेनर अपील और कन्फ्यूजन से

उपजे हास्य पर खुलकर चर्चा की। कलाकारों ने बताया कि यह फिल्म आज के तनाव भरे माहौल में दर्शकों को खुलकर हंसने का मौका देती है। शूटिंग के दौरान के मजेदार किस्सों को साझा करते हुए टीम ने कहा कि फिल्म की यही सकारात्मक और एनर्जेटिक वाइब बड़े पर्दे पर भी साफ महसूस होगी। पेलुसिडार प्रोडक्शन प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले बनी इस फिल्म का निर्देशन अभिषेक राज और रजनीश ठाकुर ने किया है, जबकि अमित गुप्ता इसके सह-निमार्ता हैं। फिल्म में अनुभवी कलाकारों और युवा प्रतिभाओं का बेहतरीन संगम देखने को मिलता है। आशुतोष राणा, अभिमन्यु सिंह और मुकेश तिवारी जैसे सशक्त कलाकारों के साथ हर्ष मायर, ललित प्रभाकर, अनंत वी जोशी, अशोक पाठक और नायरा एम बनर्जी फिल्म को नई ऊर्जा प्रदान करते हैं। फिल्म की कॉमेडी का आधार सटीक टाइमिंग, लगातार बढ़ता कन्फ्यूजन और अचानक आने वाले ट्विस्ट हैं। अपने अनुभव साझा करते हुए ललित प्रभाकर ने कहा कि ह्लवन टू चा चा चाह्व सही मायनों में ह्लखुशनुमा पागलपनह्व है, जहां हर सीन में अलग तरह का हास्य है।

एक नजर

प्रधानाध्यापक ने किया पौधारोपण

काराकाट। उत्क्रमित मध्य विद्यालय परिसर में विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यक धनजी सिंह ने विद्यालय कर्मियों की उपस्थिति में अपने जन्मदिन पर पौधारोपण किया। उन्होंने उक्त अवसर पर प्रधानाध्यापक ने बताया कि हमारे जीवन के रक्षक पेड़ पौधे ही होते हैं। जिस प्राकृतिक के गोद में हम सभी जीवित हैं। इसलिए पर्यावरण को बचाते हुए सभी मनुष्य को अपने जीवन में एक वृक्ष अवश्य लगानी चाहिए।

बीआरसी पर टीएलएम मेला कार्यक्रम का आयोजन

राजपुर। प्रखंड मुख्यालय स्थित शिक्षा विभाग कार्यालय बीआरसी भवन पर गुरुवार को प्रखंड स्तरीय टीएम मेला आयोजित हुआ। जिसमें सीआरसी स्तर से चयनित हिन्दी गणित अंग्रेजी उर्दु एवं पर्यावरण समेत अन्य विषयवार शिक्षक शिक्षिकाओं ने भाग लिया। मेला के दौरान शिक्षकों ने टीएलएम के माध्यम से बच्चों को कराये जा रहे शिक्षण अधिगम का प्रस्तुतीकरण किया। मेला के दौरान शौणडिक हाई स्कूल 10 प्लस टू प्रधानाध्यापक रजनीश तिवारी घोरड़िही हाई स्कूल हेडमास्टर धर्मेंद्र कुमार,मंगलवालिया स्कूल के पिंकू शर्मा,बिशनपुर हाई स्कूल हेड मास्टर आशीष कुमार एवं राजनडीह स्कूल प्रधानाध्यापिका उर्मिला कुमारी निर्णयक मंडल के सदस्य नियुक्त थे। जिनके समक्ष विषय वार चयनित शिक्षकों ने शिक्षण अधिगम में सहायक टीएलएम का प्रस्तुतीकरण किया। अवसर पर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी प्राण रंजन प्रसाद,लेखापाल सतेन्द्र नाथ मौजूद रहे। जिनके समक्ष अंजू कुमारी प्रिया कुमारी, प्रियंका कुमारी मनोहर,भोला कुमार मो.मुर्शीद मनउर,नीतू कुमारी ज्योति कुमारी बबिता कुमारी एवं पूनम कुमारी आदि शिक्षकों ने शिक्षण अधिगम में सहायक टीएलएम का प्रस्तुतीकरण किया। जिसके बाद में निर्णायक मंडल ने बेहतर प्रस्तुतीकरण करने वाले शिक्षकों को पुरस्कार एवं जिला स्तर पर प्रस्तुतिकरण के लिए चयनित करते हुए नामित किया। मौके पर अशोक कुमार सेठ,सोनू कुमार सिंह,अनिल कुमार,विपिन कुमार समेत अन्य लोग मौजूद थे।

बिक्रमगंज : नये एसडीपीओ सिंधु शेखर सिंह ने किया पदभार ग्रहण

बिक्रमगंज। बिक्रमगंज अनुमंडल के नए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के रूप में सिंधु शेखर सिंह ने पदभार संभालने के पश्चात उन्होंने अनुमंडलवासियों को मकर संक्रांति पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी। पदभार ग्रहण के बाद उन्होंने मीडिया प्रतिनिधियों से परिचय प्राप्त कर अपनी कार्य-योजना व प्राथमिकताओं को स्पष्ट किया। मीडिया से संवाद के दौरान उन्होंने कहा कि अनुमंडल क्षेत्र में अपराध पर नियंत्रण स्थापित करना उनकी पहली और सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। एसडीपीओ सिंधु शेखर सिंह ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि बिक्रमगंज अनुमंडल में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखना मेरी प्राथमिक जिम्मेदारी है। अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी,वहीं आम जनता की सुरक्षा,विश्वास और सहयोग के साथ पुलिसिंग को मजबूत किया जाएगा । किसी भी कीमत पर अपराध बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि पुलिस-प्रशासन और आम नागरिकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जाएगा। ताकि जनता निर्भय होकर अपनी समस्याएं पुलिस तक पहुंचा सके। पीड़ितों को त्वरित न्याय और शिकायतों पर शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। एसडीपीओ के पदभार ग्रहण करने से क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को लेकर सकारात्मक माहौल बना है । लोगों को उम्मीद है कि मेरे कार्यकाल में बिक्रमगंज अनुमंडल में अपराध पर लगाम लगेगी और पुलिस व्यवस्था और अधिक चुस्त-दुरुस्त होगी। साथ ही अनुमंडलीय क्षेत्र के सभी थानों में जनता को मिलेगी कानून का सही इंसाफ।

मकर संक्रांति पर्व पर भाजपा का दही-चूड़ा प्रीतिभोज कार्यक्रम आयोजित

बिक्रमगंज। भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य डॉ. मनीष रंजन के नेतृत्व में गुरुवार को मकर संक्रांति के अवसर पर दही-चूड़ा का प्रीतिभोज कार्यक्रम का हुआ आयोजन। नगर परिषद बिक्रमगंज स्थित वीर कुंवर सिंह महाविद्यालय,धारूपुर प्रांगण में आयोजित दही-चूड़ा भोज में भाजपा के सैकड़ों वरिष्ठ कार्यकर्ता सहित आमजन शामिल हुए। जिनका कराकाट विधानसभा भाजपा नेता डॉ. मनीष ने तहेदिल से स्वागत किया। ज्ञात हो कि मकर संक्रांति हिंदू धर्म का एक प्रमुख पर्व है, जो सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करने के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। यह पर्व साल 14 व 15 जनवरी को मनाया जाता है। मान्यताओं के अनुसार, इस काल में मृत्यु प्राप्त करने वाले लोगों को मोक्ष भी मिलता है। अवसर पर भाजपा नेता डॉ. मनीष रंजन ने बताया कि यह पर्व समानता-एकता को जोड़ने के साथ सूर्य के उत्तरायण होने का प्रतीक है। जो हमारे जीवन में नए सवेरा की नई उमंग के प्रकाश को बिखेरता है। खिचड़ी का दान और सामूहिक भोज समाज के सभी वर्गों को एक साथ लाने और जाति-पाती के आपसी भेदभाव मिटा एकजुटता के प्रेम में जुड़ने का संदेश भी देता है। वही ऐतिहासिक तिल-गुड खाने की परंपरा का सामाजिक संदेश है कि हमें अपनी वाणी में मधुरता रखनी चाहिए और पुराने मनमुटाव भुलाकर नए रिश्तों की शुरूआत करनी चाहिए। प्रीतिभोज मौके पर प्राचार्य डॉ. सुरेंद्र कुमार सिंह, सचिव लाल बिहारी सिंह, प्रो० - वीर बहादुर सिंह, कन्हैया सिंह,अमरेंद्र मिश्र, उमाशंकर सिंह,बलवंत सिंह,सुनील सिंह, फैजल अहमद, प्रियतम कुमार, परविंदर सिंह व राजद नेता मुन्ना राय, कृष्णा सिंह, मदन प्रसाद वैश्य, विजय राय,सुनील सिंह, हरिचरण कुशवाहा, जदयू नेता विकास सिंह, नथुनी सिंह,ललन चौरसिया,अंजनी पांडे, बीसीओ अखलेश्वर सिंह, लल्लू सिंह, हरेंद्र हरियाली, गुडु यादव, संजय वर्मा, बीरेंद्र तिवारी, बिट्टू सिंह, ललित मोहन सिंह, अंकित सिंह,नंदा पांडे,पंकज पटेल, फिरोज खां सहित समस्त महाविद्यालय कर्मी उपस्थित थे।

बिहार और पूर्वांचल के युवाओं के लिए हुआ बिहार पूर्वांचल युवा शांति, सेवा एवं कौशल कॉरिडोर का शुभारंभ

22 मार्च 2026 को ऑस्ट्रेलिया में होगा औपचारिक अंतरराष्ट्रीय लॉन्च

एजेंसी। पटना

बिहार और पूर्वांचल के युवाओं को अनुशासित सेवा, कौशल निर्माण और शांतिपूर्ण राष्ट्र-निर्माण से जोड़ने के उद्देश्य से आज पटना के होटल ताज में बिहार, पूर्वांचल युवा शांति, सेवा एवं कौशल कॉरिडोरह्व का शुभारंभ किया गया। इस पहल की घोषणा PURBI International ने NIAD Group (ऑस्ट्रेलिया) के सहयोग से तथा सिडनी स्थित प्रतिष्ठित प्रवासी भारतीय प्रवीन कुमार के मार्गदर्शन में किया गया है। अंतरराष्ट्रीय मंचों और वैश्विक

सामाजिक-राजनीतिक व्यक्तित्वों के समर्थन से यह कॉरिडोर एक गैर-राजनीतिक, गैर-आक्रामक और संवैधानिक रूप से पूर्णतः अनुरूप नागरिक पहल के रूप में सामने आया है। प्रवीन कुमार ने कहा कि PURBI International मूल्य-आधारित युवा विकास, शांतिपूर्ण राष्ट्रीय एकता और सेवा-आधारित आर्थिक मॉडल के निर्माण के लिए समर्पित है। उन्होंने बताया कि यह पहल Khelo India, Fit India, NCC, NSS और Ek Bharat Shreshtha Bharat जैसे राष्ट्रीय कार्यक्रमों के अनुरूप है। संगठन का उद्देश्य बिहार और पूर्वांचल के युवाओं को अनुशासित, कौशलयुक्त और राष्ट्र-प्रथम नागरिक के रूप में सशक्त करना है, ताकि वे भारत के समावेशी और सतत विकास के अगले चरण का नेतृत्व कर सकें। PURBI International का औपचारिक अंतरराष्ट्रीय शुभारंभ 22 मार्च 2026 को ऑस्ट्रेलिया में आयोजित होने वाले पहले अंतरराष्ट्रीय बिहार, पूर्वांचल महोत्सव के दौरान किया जाएगा। इस महोत्सव में 30 से अधिक देशों से भारतीय समुदाय के प्रतिनिधि, ऑस्ट्रेलिया के वरिष्ठ मंत्री और भारत के विभिन्न राज्यों से विशिष्ट अतिथि शामिल होंगे। आयोजकों के अनुसार यह कार्यक्रम बिहार, पूर्वांचल को वैश्विक मंच पर युवा नेतृत्व, शांति और सेवा के केंद्र के रूप में प्रस्तुत करेगा। PURBI International ने स्पष्ट किया है कि यह कोई राजनीतिक आंदोलन, रैली या प्रदर्शन नहीं है। यह पहल भारत की सभ्यतागत परंपराओं–सेवा भाव, अनुशासन, शिक्षा, सामाजिक जिम्मेदारी और शांति–पर आधारित एक संरचित मिशन है। ॠयुवाल- की ऊर्जा को नारेबाजी या आक्रामकता के बजाय सेवा, कौशल और राष्ट्र-निर्माण की दिशा में सकारात्मक रूप से लगाने का यह एक शांत लेकिन प्रभावी मॉडल है। कॉरिडोर की अवधारणा बिहार और पूर्वांचल की ऐतिहासिक, नैतिक और बौद्धिक परंपराओं से प्रेरित है। गया चिंतन और ज्ञान का प्रतीक रहा है, वहीं पटना शासन, शिक्षा और राष्ट्रीय एकता का केंद्र रहा है।

खुशी : आरटीई की बकाया राशि विद्यालय में मिलने की जगी उम्मीद

केटी न्यूज\नवादा

रजौली (नवादा) प्रखंड क्षेत्र के निजी विद्यालयों के बकाया आरटीई की राशि को लेकर प्राइवेट स्कूल एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन की एक टीम विगत बुधवार को पटना गई थी। टीम का नेतृत्व साउथ सीटी इंटरनेशनल स्कूल के निदेशक रविंद्र कुमार पप्पू के द्वारा किया गया था। टीम द्वारा प्रदेश शिक्षा सचिव से मिल उनके समक्ष अपनी बातों को रखा गया। इस क्रम में शिक्षा सचिव बी. राजेंद्र उपस्थित होकर सभी बातों को समझे।इस दौरान एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शमाईल अहमद एवं जिला इकाई के प्रतिनिधि प्रो. बिजय कुमार की अध्यक्षता में की गई मुलाकत में प्रदेश स्थित कई जिलों

और प्रखण्ड की इकाई भी सम्मिलत हुए। इस मुलाकत की मुख्य बिन्दुओं आरटीई की प्रतिपूर्ति राशि का बकाया होना और ज्ञानदीप पोर्टल-आरटीई नामांकन में उपस्थित कुछ त्रुटि एवं ज्ञानदीप पोर्टल के ऑफलाईन हो जाने के संबंध में था। आरटीई का भुगतान कई वर्षों से रुका हुआ है और आग्रिम सत्र 2025-26 के संभावित नामांकन को अद्यतन करने को निर्देश होने पर निजी विद्यालय ने नामांकन ना लेने को कहा था। शिक्षा सचिव ने भुगतान को अविलंब करने का आश्वासन दिया है और त्रुटि को सुधार कर ज्ञानदीप को ऑनलाईन करने को कहा हैं। मौके पर रजौली के साउथ सिटी इंटरनेशनल स्कूल की दो आईडी वाले मुद्दे को उठाया गया, जिसके बाद ज्ञानदीप के दो-दो आईडी को विशेष रुप से संज्ञान मे लेते हुए कहा की इस तरह की त्रुटी नहीं होनी चाहिए।साथ ही निजी विद्यालय संचालकों द्वारा ज्ञानदीप के अन्य त्रुटियों को जल्द से जल्द सुधारने की बात कही गई।

पटना के गंगा तटों को मिलेगी नई पहचान, दीघा से दीदारगंज तक बनेगा भव्य रिवर फ्रंट

एजेंसी। पटना

राजधानी पटना के गंगा तटों को आधुनिक और आकर्षक स्वरूप देने की दिशा में एक बड़ी पहल शुरू हो गई है। दीघा से दीदारगंज तक करीब आठ किलोमीटर लंबे गंगा किनारे रिवर फ्रंट विकसित करने की योजना पर पटना नगर निगम काम कर रहा है। इसके लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की जा रही है, जिसे नगर निगम की सशक्त स्थायी समिति की आगामी बैठक में प्रस्तुत किया जाएगा। मंजूरी मिलने के बाद इस महत्वाकांक्षी परियोजना को राज्य और केंद्र सरकार के पास स्वीकृति एवं वित्तीय सहायता के लिए भेजा जाएगा। नगर निगम की योजना के अनुसार, रिवर फ्रंट परियोजना के तहत गंगा किनारे पैदल पथ, हरित क्षेत्र, बैठने की समुचित व्यवस्था, आकर्षक लाइटिंग, सौंदर्यीकरण और पर्यटकों के लिए मूलभूत सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इसका उद्देश्य गंगा तट को केवल धार्मिक गतिविधियों तक सीमित न रखकर, उसे एक आधुनिक और सुसंगठित सार्वजनिक स्थल के रूप में विकसित करना है, जहां शहरवासी और पर्यटक दोनों समय बिता सकें। अधिकारियों का कहना है कि जिस तरह कलेक्ट्रेट घाट से दीघा घाट तक का इलाका आज पटना की पहचान बन चुका है, उसी तर्ज पर अब पटना सिटी की ओर नौजर कटरा से दीदारगंज तक का क्षेत्र भी नए आकर्षण के रूप में उभरेगा। रिवर फ्रंट बनने से गंगा किनारे की सुंदरता में इजाफा होगा और शहर का शहरी स्वरूप और अधिक निखरेगा। सुबह-शाम टहलने वालों, योग और व्यायाम करने वालों के लिए यह स्थान खास होगा, वहीं परिवार और पर्यटक यहां प्राकृतिक सौंदर्य के बीच समय बिता सकेंगे। रिवर फ्रंट परियोजना से पटना में पर्यटन को नई गति मिलने की उम्मीद है। गंगा किनारे विकसित होने वाले पैदल पथ और हरित क्षेत्र लोगों को आकर्षित करेंगे। इसके साथ ही छोटे व्यवसाय, खानपान से जुड़े स्टॉल, कैफे, पर्यटन सेवाएं और अन्य स्थानीय गतिविधियां शुरू होने से रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। नगर निगम का मानना है कि यह परियोजना न सिर्फ शहर की छवि सुधारेगी, बल्कि पटना की स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती देगी। नौजर कटरा से दीदारगंज तक का क्षेत्र ऐतिहासिक और धार्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। इस इलाके में खाजेकलां घाट, मिरचाई घाट, कंगन घाट, टेरी घाट, किला घाट, पीरदमड़िया घाट और दीदारगंज जैसे प्रसिद्ध घाट स्थित हैं। कंगन घाट पर हाल के महीनों में कई नई सुविधाएं विकसित की गई हैं, जिससे यह पहले ही लोगों के आकर्षण का केंद्र बन चुका है। अब सभी घाटों को एकसाथ जोड़कर रिवर फ्रंट के रूप में विकसित करने से इस पूरे क्षेत्र की पहचान और मजबूत होगी। पटना नगर निगम की ओर से तैयार की जा रही डीपीआर को मेयर, डिप्टी मेयर और नगर आयुक्त की मौजूदगी में होने वाली बैठक में रखा जाएगा।

2 फरवरी से शुरू होगा विधान परिषद का बजट सत्र, 27 फरवरी तक चलेगी कार्यवाही

एजेंसी। पटना

बिहार विधान परिषद का बजट सत्र 2 फरवरी से शुरू होने जा रहा है, जो 27 फरवरी तक चलेगा। इस दौरान राज्य सरकार वित्तीय वर्ष 2026-27 का आम बजट सदन में पेश करेगी। बजट को वित्त मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव प्रस्तुत करेंगे। सत्र को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों ही अपनी-अपनी रणनीति बनाने में जुट गए हैं। यह बजट सत्र इसलिए भी खास माना जा रहा है क्योंकि यह बिहार की नई सरकार का पहला पूर्ण बजट सत्र होगा, जिससे सरकार की नीतियों और प्राथमिकताओं की स्पष्ट झलक मिलने की उम्मीद है। सरकार के लिए यह सत्र बेहद अहम माना जा रहा है। इस दौरान वह अपने आर्थिक विजन, विकास योजनाओं और आगामी वर्षों की रणनीति को सदन और जनता के सामने रखेगी। माना जा रहा है कि सरकार इस बजट के जरिए यह संदेश देने की कोशिश करेगी कि आने वाले वर्षों में बिहार को किस दिशा में आगे बढ़ाया जाएगा। खासतौर पर बुनियादी ढांचे के विकास, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार, रोजगार सृजन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने पर फोकस रहने की संभावना है। बजट सत्र के दौरान सदन में वार्षिक बजट पर विस्तृत चर्चा होगी। इसके साथ ही विभिन्न विभागों की अनुदान मांगों पर बहस होगी, जिसमें विपक्ष सरकार की नीतियों और खर्चों पर सवाल उठा सकता है। प्रश्नकाल, शून्यकाल और ध्यानाकर्षण प्रस्तावों के जरिए सदस्य अपनी-अपनी समस्याएं और मुद्दे उठाएंगे। सत्र के दौरान कई महत्वपूर्ण विधेयक भी पेश किए जाने की संभावना है, जिन पर सदन में लंबी चर्चा हो सकती है। विपक्ष इस बजट सत्र को लेकर पूरी तरह आक्रामक मूड में नजर आ रहा है। विपक्षी दलों ने महंगाई, बेरोजगारी, कानून-व्यवस्था की स्थिति और विकास कार्यों की धीमी रफ्तार को लेकर सरकार को घेरने की रणनीति तैयार की है। विपक्ष का कहना है कि राज्य में आम जनता महंगाई और बेरोजगारी से परेशान है और सरकार इन मुद्दों पर ठोस कदम उठाने में विफल रही है। ऐसे में बजट सत्र के दौरान इन सवालों को प्रमुखता से उठाया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, बजट में शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र पर विशेष जोर दिया जा सकता है। सरकारी स्कूलों और कॉलेजों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार, शिक्षकों की नियुक्ति और उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए नए प्रावधान किए जाने की उम्मीद है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में जिला अस्पतालों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को मजबूत करने, आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने और गरीब मरीजों के लिए विशेष योजनाओं की घोषणा संभव है। इसके अलावा रोजगार और ग्रामीण विकास भी बजट के प्रमुख एजेंडे में शामिल हो सकते हैं। युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करने, कौशल विकास योजनाओं को विस्तार देने और ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, बिजली, पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने पर सरकार का फोकस रह सकता है। महिलाओं और युवाओं से जुड़ी सामाजिक कल्याण योजनाओं के लिए भी अतिरिक्त बजटीय प्रावधान किए जाने की संभावना जताई जा रही है। बजट सत्र को लेकर विधानसभा परिसर और प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद करने के साथ-साथ सदन के सुचारु संचालन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। वित्त विभाग भी बजट को अंतिम रूप देने में जुटा हुआ है। कुल मिलाकर, यह बजट सत्र न केवल सरकार की नीतियों की दिशा तय करेगा, बल्कि आने वाले समय में बिहार की राजनीति और विकास की तस्वीर भी पेश करेगा।

एक नजर

24 घंटे के भीतर पंकज हत्याकांड का खुलासा पटना की खाजेकला थाना पुलिस ने की कार्रवाई

पटना । पटना सिटी के खाजेकला थाना क्षेत्र में सामने आया पंकज कुमार हत्याकांड यह बताता है कि अपराध के पीछे केवल तात्कालिक गुस्सा नहीं, बल्कि वर्षों से सुलगती रंजिश और रिश्तों की जटिलता भी होती है। इस मामले में पटना पुलिस ने सूचना मिलने के महज 24 घंटे के भीतर न सिर्फ पूरे हत्याकांड का खुलासा किया, बल्कि गंगा नदी से शव बरामद कर तीनों अभियुक्तों को गिरफ्तार भी कर लिया। 13 जनवरी 2026 की रात विजय राय अपने पुत्र पंकज कुमार के लापता होने की सूचना लेकर खाजेकला थाना पहुंचे। उन्होंने आशंका जताई कि उनके बेटे की हत्या कर दी गई है और शव को छिपाया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरीय पुलिस पदाधिकारियों के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारीझ02, पटना सिटी के नेतृत्व में विशेष जांच दल का गठन किया गया। जांच के दौरान पुलिस ने तकनीकी विश्लेषण और मानवीय अनुसंधान के सहारे तेजी से कड़ियां जोड़ीं। मोबाइल लोकेशन, कॉल डिटेल और मृतक के सामाजिक संपर्कों की जांच में यह स्पष्ट हुआ कि हत्या मृतक के ही करीबी लोगों द्वारा की गई थी। हिरासत में लिए गए तीनों अभियुक्तों से सख्ती से पूछताछ की गई, जिसमें उन्होंने अपराध स्वीकार कर लिया।

चिराग तले अंधेरा : थाने से ही गायब हो गया पिस्टल, नप गए थानाध्यक्ष

कटिहार पुलिस की कार्यशैली पर एक ऐसा सवाल खड़ा हुआ है, जिसने सबको चौंका दिया है। मामला सहायक थाना का है। दरअसल बिहार विधानसभा चुनाव-2025 के दौरान शहर के लोहियानगर निवासी चंद्रशेखर सिंह ने अपनी लाइसेंसी पिस्टल सुरक्षा के लिहाज से थाने में जमा कराई थी। लेकिन, जब चुनाव खत्म होने के बाद वे अपनी अमानत वापस लेने पहुँचे, तो पुलिस के हाथ-पांव फूल गए। जवाब मिला कि "पिस्टल तो थाने से गायब है इस घोर लापरवाही को देखते हुए कटिहार के पुलिस अधीक्षक (रढ) ने कड़ा रुख अपनाया है। सहायक थाना में कांड संख्या 1251/25 दर्ज किया गया है। स्पष्टीकरण संतोषजनक न मिलने पर थानाध्यक्ष (रत्नड) आनंद कुमार को तत्काल प्रभाव से पदमुक्त (फीङ्क्ष्पी) कर दिया गया है। रत्नड समेत दो अन्य पुलिस अधिकारियों के खिलाफ विभागीय जांच शुरू कर दी गई है। कहते हैं कानून के हाथ लम्बे होते हैं, लेकिन जब कानून के घर (थाने) से ही हथियार गायब होने लगें, तो सवाल उठना लाजिमी है। फिलहाल, आनंद कुमार पर गाज गिर चुकी है और विभाग अपनी साख बचाने की कवायद में जुटा है।

शादी समारोह में हर्ष फायरिंग करने वाले तनवीर को मुंगेर पुलिस ने किया गिरफ्तार

मुंगेर। मुंगेर जिले में शादी समारोह के दौरान हर्ष फायरिंग करने वालों के खिलाफ पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। असरगंज थाना पुलिस ने विशनपुर गांव में छापेमारी कर हर्ष फायरिंग करने वाले आरोपी मो. तनवीर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस ने आरोपी के पास से घटना में इस्तेमाल किया गया पिस्टल भी बरामद किया है। वहीं इस मामले में शामिल एक अन्य आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। पुलिस अधीक्षक सैयद इमरान मसूद ने बताया कि हाल ही में सोशल मीडिया पर हर्ष फायरिंग का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें दो युवक हथियार लहराते और फायरिंग करते नजर आ रहे थे। वीडियो को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने एक विशेष जांच टीम का गठन किया। जांच में सामने आया कि वीडियो में दिख रहे दोनों युवक असरगंज थाना क्षेत्र के विशनपुर गांव के रहने वाले हैं, जिनमें एक का नाम मो. तनवीर है। मुंगेर एसपी ने बताया कि 8 जनवरी की रात मो. तनवीर के सगे भाई शाहिद की शादी थी। इसी शादी समारोह के दौरान आरोपी तनवीर और उसका साथी राजू अवैध हथियार से हर्ष फायरिंग कर रहे थे। और उसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा था। जिसमें साफ देखा जा सकता था कि कैसे शादी समारोह में हर्ष फायरिंग किया जा रहा है। जिसके बाद मामले को लेकर असरगंज थाना में पुलिस के बयान पर प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

बिहार की दो रेल लाइन परियोजना को मिली हरी झंडी मिथिलांचल और सीमांचल के विकास को मिलेगी नई गति

एजेंसी। पटना

सीतामढ़ी, जयनगर, निर्मली 188 किलोमीटर लंबी बहुप्रतीक्षित नई रेल लाइन परियोजना को आखिरकार हरी झंडी मिल गई है। वर्ष 2008-09 में स्वीकृत इस परियोजना को रेलवे बोर्ड ने 2019 में रोक दिया था। अब 29 सितंबर 2025 को इसे डी-फ्रीज कर दिया गया है। पूर्व मध्य रेलवे (निर्माण संगठन) के महेंद्रुघाट, पटना कार्यालय से जारी पत्र के अनुसार, परियोजना के लिए फाइनल लोकेशन सर्वे कराकर डीपीआर तैयार करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। रेलवे के मुख्य अभियंता (निर्माण) महबूब आलम ने पत्र में स्पष्ट किया है कि लंबे समय से रुकी इस परियोजना को अब दोबारा गति दी जा रही है। डीपीआर तैयार होने के बाद आगे की निर्माण प्रक्रिया का रास्ता साफ होगा और नया टेंडर भी आमंत्रित कर दिया गया है। बिहार सरकार के ऊर्जा, योजना एवं विकास मंत्री विजेंद्र प्रसाद यादव के साथ हुई बातचीत में भी इस परियोजना को आगे बढ़ाने की पुष्टि की गई है। इस रेल लाइन के शुरू होने से सुपौल, मधुबनी और सीतामढ़ी समेत पूरे मिथिलांचल और सीमांचल क्षेत्र को बेहतर रेल कनेक्टिविटी मिलेगी। वर्तमान में इन इलाकों में रेल नेटवर्क सीमित है, जिससे व्यापार और आवागमन में कठिनाइयां होती हैं। नई रेल लाइन बनने के बाद यात्रा आसान होगी, कृषि उत्पादों, छोटे उद्योगों और स्थानीय व्यापार को बड़ा बाजार मिलेगा, रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और पलायन पर भी कुछ हद तक अंकुश लगेगा। सुपौल जिले के ललितग्राम से वीरपुर तक 22 किलोमीटर लंबी नई रेल लाइन परियोजना को भी हरी झंडी मिल चुकी है।

सहरसा हेंडलूम शॉप से लाखों की चोरी का खुलासा, स्टाफ समेत 2 गिरफ्तार

एजेंसी। पटना

सहरसा में पुलिस ने शहर के बड़ी दुर्गा स्थान रोड स्थित एक हेंडलूम दुकान से हुई 6 लाख रुपये की चोरी का खुलासा कर दिया है। इस मामले में दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक नाबालिग को निरुद्ध किया गया है। इस बाबत साईबर डीएसपी अजीत कुमार ने प्रेसवार्ता कर जानकारी दी है। पुलिस ने चोरी की गई रकम में से 1 लाख 95 हजार रुपये नकद और चोरी के पैसों से खरीदा गया एक आईफोन मोबाईल बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपियों में बाबुल कुमार और मिथिलेश कुमार उर्फ सोनू कुमार शामिल हैं। एक नाबालिग को भी विधि विरुद्ध बालक के रूप में निरुद्ध किया गया है। चोरी बीते 13 और 14 दिसंबर 2025 की मध्य रात्रि में सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत बड़ी दुर्गा स्थान रोड स्थित हेडलूम दुकान में हुई थी। जहाँ अज्ञात चोरों ने दुकान से लगभग 6 लाख रुपये चुरा लिए थे। घटना के बाद पीड़ित दुकानदार के आवेदन पर सदर थाना में मामला दर्ज किया गया था। पुलिस अधीक्षक हिमांशु के निर्देश पर मामला के उद्भेदन के लिए एक विशेष टीम का गठन किया गया था। जांच के दौरान, दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज और मानवीय सूचना के आधार पर सदर थाना पुलिस और डीआईयू (डिस्ट्रिक्ट इंटेलिजेंस यूनिट) की टीम ने त्वरित कार्रवाई की। पूछताछ के दौरान आरोपियों के पास से चोरी की गई राशि और मोबाईल बरामद हुए, जिन्हें विधिसम्मत प्रक्रिया के तहत जब्त कर लिया गया। पुलिस के अनुसार, आरोपी बाबुल कुमार के पास से 1 लाख 5 हजार रुपये और मिथिलेश कुमार उर्फ सोनू कुमार के पास से 95 हजार रुपये बरामद किए गए हैं।

बेंगलुरु गैस रिसाव हादसा : बिहार के दो युवकों की दर्दनाक मौत, तीन की हालत नाजुक

एजेंसी। पटना

बेंगलुरु में गैस सिलेंडर से हुए दर्दनाक हादसे ने बिहार के सारण जिले के मांझी प्रखंड स्थित गुरदाहां खुर्द गांव को गहरे शोक में डुबो दिया है। इस हादसे में गांव के दो युवकों की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि तीन अन्य युवक अब भी जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं। मृतकों की पहचान गुरदाहां खुर्द गांव निवासी मुजफ्फर अली और अरबाज अली के पुत्र खलील मियां के रूप में हुई है। बुधवार 14 जनवरी की देर शाम गंभीर रूप से झुलसे मुजफ्फर अली ने दम तोड़ा, जबकि गुरुवार की सुबह खलील मियां की भी इलाज के दौरान मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, 9 जनवरी की सुबह बेंगलुरु में रहकर काम कर रहे एक ही गांव के पांच युवक अपने कमरे में चाय बना रहे थे। इसी दौरान गैस सिलेंडर से अचानक गैस का रिसाव होने लगा। कुछ ही पलों में

सिलेंडर में आग लग गई और आग इतनी तेजी से फैली कि सभी युवक उसकी चपेट में आ गए। पूरा कमरा धुएं और आग की लपटों से भर गया, जिससे वहां अफरातफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और साहस दिखाते हुए सभी झुलसे युवकों को बाहर निकाला। इसके बाद एंबुलेंस के माध्यम से उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। युवकों की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें बेंगलुरु के विक्टोरिया अस्पताल एंड रिसर्च सेंटर में भर्ती कराया गया, जहां सभी को आईसीयू में रखा गया। चिकित्सकों के अनुसार, प्रारंभिक जांच में ही दो युवकों की हालत बेहद नाजुक बताई गई थी। लगातार इलाज और प्रयासों के बावजूद मुजफ्फर अली और खलील मियां को बचाया नहीं जा सका।

बिहार में एक महीने बाद खिली चटक धूप, ठंड और कोल्ड डे से मिली राहत

एजेंसी। पटना

लगभग एक महीने तक कड़ाके की ठंड, शीतलहर और द्यकोल्ड डेह्न की मार झेल रहे बिहारवासियों के लिए राहत भरी खबर है। रविवार से राज्य के अधिकांश हिस्सों में चटक धूप खिली, जिससे लोगों को भीषण ठंड से काफी हद तक राहत मिली है। मौसम विभाग के अनुसार, 20 जनवरी तक प्रदेश में मौसम सामान्यतः साफ रहेगा और अधिकतम तापमान बढ़कर 24 से 25 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। हालांकि, तराई क्षेत्र के आठ जिलों में घने कोहरे को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। बीते कई दिनों से पछुआ हवाओं, घने

कोहरे और बादलों की वजह से दिन का तापमान सामान्य से नीचे बना हुआ था। कई जिलों में लगातार द्यकोल्ड डेह्न की स्थिति रही, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ। सुबह और शाम के समय सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहता था, वहीं स्कूल जाने वाले बच्चों, बुजुर्गों और दिहाड़ी मजदूरों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ा। धूप न निकलने के कारण लोग घरों में कैद रहने को मजबूर थे। रविवार को जैसे ही धूप निकली, लोगों ने राहत की सांस ली। पार्कों, छतों और खुले स्थानों पर लोग धूप का आनंद लेते नजर आए। बाजारों और सड़कों पर भी चहल-पहल बढ़ी। खासकर बुजुर्गों और बच्चों के लिए यह धूप किसी संजीवनी से कम नहीं रही। ठंड से जुड़े रोगों, जैसे सर्दी-खांसी और जोड़ों के दर्द से परेशान लोगों को भी कुछ राहत मिली है। मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, अगले कुछ दिनों तक उत्तर-पश्चिमी हवाओं का असर कमजोर पड़ेगा, जिससे तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी होगी। दिन के तापमान में जहां 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी दर्ज की जा सकती है, वहीं रात के तापमान में भी हल्का सुधार देखने को मिलेगा। हालांकि, सुबह के समय ठंड का असर बना रहेगा और न्यूनतम तापमान 8 से 10 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने तराई क्षेत्र के आठ जिलों में घने कोहरे को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। इन इलाकों में सुबह के समय दृश्यता काफी कम रह सकती है, जिससे सड़क और रेल यातायात प्रभावित होने की आशंका है। विभाग ने लोगों को सावधानी बरतने, अनावश्यक यात्रा से बचने और वाहन चलाते समय फॉग लाइट का उपयोग करने की सलाह दी है। विशेषज्ञों का कहना है कि भले ही दिन में धूप निकल रही हो, लेकिन ठंड पूरी तरह से खत्म नहीं हुई है। सुबह और रात के समय तापमान अब भी कम रहेगा, ऐसे में गर्म कपड़े पहनना और स्वास्थ्य का ध्यान रखना जरूरी है। खासकर बच्चों और बुजुर्गों को ठंडी हवा से बचाने की सलाह दी गई है। कृषि क्षेत्र के लिए भी यह मौसम बदलाव महत्वपूर्ण माना जा रहा है। धूप निकलने से रबी फसलों को फायदा मिलने की उम्मीद है। किसानों का कहना है कि लंबे समय तक धूप न निकलने से फसलों की बढ़वार प्रभावित हो रही थी, लेकिन अब मौसम साफ रहने से गेहूं, सरसों और अन्य रबी फसलों को संजीवनी मिलेगी।

चलती ट्रेन में दिव्यांग यात्री से बदसलूकी छीना-झपटी के आरोप में किन्नर गिरफ्तार

एजेंसी। पटना

एनार्कुलम, पटना एक्सप्रेस ट्रेन में यात्रा कर रहे एक दिव्यांग यात्री के साथ बदसलूकी, मारपीट और छीना-झपटी का मामला सामने आया है। पीड़ित यात्री अपने बेटे और भतीजे के साथ ट्रेन से सफर कर रहे थे, तभी यह घटना घटित हुई। जानकारी के अनुसार, ट्रेन में मौजूद दो किन्नरों ने दिव्यांग यात्री से जबरन पैसे की मांग की। जब यात्री ने इसका विरोध किया तो आरोप है कि दोनों ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया और मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान पीड़ित के पास से करीब तीन हजार रुपये छीन लिए गए। घटना के बाद पीड़ित यात्री ने आरा जीआरपी थाने में लिखित आवेदन देकर पूरी जानकारी दी। आवेदन मिलते ही रेल पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए प्राथमिकी दर्ज की और जांच प्रक्रिया शुरू की। जांच के क्रम में आरा जीआरपी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी किन्नर को गिरफ्तार कर लिया। आरा जीआरपी थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान पटना जिले के जक्कनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत मीठापुर सब्जी मंडी निवासी लवली के रूप में हुई है।